

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:278। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शनिवार) 30 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/


# आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का आधार : उपराष्ट्रपति

## सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद छोड़ा, डीके शिवकुमार के नाम का किया प्रस्ताव

**एजेंसी**

**बेंगलुरु।** कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शुक्रवार को आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन का 45वां स्थापना दिवस समारोह भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालु, स्वयंसेवक, आध्यात्मिक साधक और अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का वास्तविक आधार है।' उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया तनाव, संघर्ष और मानसिक अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है।

**●आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र 'वसुधैव कुटुंबकम्' को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है।**
**-उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन**

ऐसे में आध्यात्मिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं और आत्मिक संतुलन का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि समाज में स्थायी शांति और भाईचारे की स्थापना तभी संभव है, जब व्यक्ति भीतर से शांत, संतुलित और सकारात्मक हो।

उपराष्ट्रपति ने आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की




सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र 'वसुधैव कुटुंबकम्' को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने की भारतीय सोच आज वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक हो गई है और आर्ट ऑफ लिविंग इस संदेश को प्रभावी रूप से विश्वभर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिकता और भारतीय प्राचीन परंपराएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। आर्ट ऑफ लिविंग योग, ध्यान, प्राणायाम और मानवीय मूल्यों के माध्यम से आधुनिक जीवनशैली और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के बीच संतुलन स्थापित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है।

समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, देश-विदेश के कई विशिष्ट अतिथि, संस्था के वरिष्ठ सदस्य तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिकता, विश्व शांति, मानसिक स्वास्थ्य, युवा जागरूकता और समाज सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग संस्था विश्व के अनेक देशों में योग, ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। संस्था के विभिन्न अभियान तनावमुक्त जीवन, सामाजिक समरसता, मानवता और विश्व शांति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आर्ट ऑफ लिविंग के 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष स्मारक डाक टिकट का विमोचन भी किया। इस ऐतिहासिक क्षण का उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

# ट्विशा केस-सास और पति 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर

**● आमने-सामने बैठाकर पूछताछ होगी; एक्ट्रेस के आखिरी घंटों का वर्चुअल रीक्रिएशन करेंगे**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भोपाल, 29 मई (हि.स.)। अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने शुक्रवार को मृतका की सास (रिटायर्ड जज) गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को न्यायाधीश शोभना भलावे के समक्ष पेश किया। जहां अदालत ने सीबीआई की मांग पर दोनों को 5-5 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। दरअसल, सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी के वकीलों ने



मामले की कड़ियों को जोड़ने और गहन पूछताछ के लिए दोनों आरोपितों की 5-5 दिन की रिमांड मांगी, जिस पर बचाव पक्ष के वकीलों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। अदालत ने दोनों की 5 दिन की सीबीआई रिमांड मंजूर कर ली है। समर्थ सिंह पहले से ही सीबीआई की हिरासत में था, जिसकी रिमांड अवधि अब 5 दिन और बढ़ा दी गई है। अदालत में पेशी से पहले समर्थ का जेपी अस्पताल और गिरिबाला सिंह का मैनिट परिसर में मेडिकल चेकअप कराया गया। शुक्रवार को अदालती कार्यवाही के दौरान दोनों आरोपितों को एक ही कटघरे में खड़ा किया गया, जहां मृतका के पिता की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा और गिरिबाला सिंह की तरफ से वरिष्ठ वकील नित्या मौजूद रहीं।

# बहार के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात



**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार मुलाकात की। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसकी जानकारी दी।वहीं, मुख्यमंत्री चौधरी ने भी एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से शिष्टाचार मुलाकात हुई। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राष्ट्रपति का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

# जहरीली शराब से 13 लोगों की मौत

## सीएम फडणवीस का सख्त कार्रवाई का निर्देश

**एजेंसी**

**मुंबई ।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में जहरीली शराब पीने से 13 लोगों की मौत पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने दोनों शहरों के पुलिस आयुक्तों को दोषियों के खिलाफ सबसे सख्त कार्रवाई करने और किसी भी आरोपी को कोई रियायत नहीं देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले की पूरी जांच की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस रैकेट में शामिल कोई भी व्यक्ति सजा से बच न पाए। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह कोई सामान्य हादसा नहीं है, बल्कि इसे हत्या के मामले के रूप में देखा जा रहा है। आरोपियों के खिलाफ सबसे कठोर कानूनी धाराएं लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी पुष्टि की कि वह पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ के



पुलिस आयुक्तों के लगातार संपर्क में हैं। पुलिस ने उस स्थान का पता लगा लिया है, जहां कथित तौर पर मेथेनॉल जैसी जहरीली रसायनिक पदार्थ को मिलाकर शराब बनाई जा रही थी। उन्होंने बताया कि अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और बाकी लोगों की तलाश के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। अस्पतालों में भर्ती गंभीर मरीजों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ इलाज किया जा रहा है ताकि और मौतें रोकी जा सकें। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, ''मैंने पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ के पुलिस आयुक्तों से बात की। उन्होंने उस जगह का पता लगा लिया है जहां यह पदार्थ बनाया गया था। अब तक 8 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं और आगे और गिरफ्तारियां होंगी। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह मामला वास्तव में हत्या जैसा है और इसमें बेहद सख्त धाराएं लगाई जा रही हैं। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।''

# सिद्धारमैया ने राहुल गांधी और खरगे से की मुलाकात

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** कर्नाटक के कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से दिल्ली में शुक्रवार को अलग-अलग मुलाकात की। सिद्दारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मैं आज दिल्ली में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मिला और बातचीत की। इस मौके पर कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खरगे और डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया भी साथ में थे।

खरगे ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, सिद्दारमैया सार्वजनिक जीवन में हमेशा गरिमा, करुणा और



सामाजिक न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की झलक मिलती रही है। एक साधारण शुरुआत से लेकर दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने तक, वे समानता, सद्भाव और वंचितों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे। कर्नाटक और कांग्रेस सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान के लिए उनके प्रति कृतज्ञ हैं। हम उनके अच्छे

## कांग्रेस नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष के कारण कर्नाटक में विकास कार्य ठप: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष के कारण विकास कार्य ठप होने का आरोप लगाया है। भाजपा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में शासन और विकास के बजाय मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष ही सरकार की पहचान बन गयी है। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कर्नाटक की सरकार गुटबाजी, उत्तराधिकार की राजनीति और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं में उलझी रही, जबकि जनता से जुड़े मुद्दे पीछे छूट गए। इस आंतरिक खींचतान की वजह से राज्य में बुनियादी ढांचे पर खर्च में 5,229 करोड़ रुपये की कटौती हुई है और वित्तीय स्थिति लगातार कमजोर हुई है।

## गुवाहाटी में अरुणाचल सरकार की गाड़ी ट्रक से टकराई, महिला समेत चार की मौत

**एजेंसी**

**गुवाहाटी।** गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र डिमोरिया में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब अरुणाचल प्रदेश सरकार का एक वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराया।फिलहाल, इस घटना में मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरकारी वाहन तेज रफ्तार में था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सड़क किनारे खड़े खड़े ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

# बिहार में भारी बारिश, 20 जिलों में दिन में अंधेरा

## बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत



**एजेंसी**

**पटना।** बिहार में शुक्रवार को आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। पटना, खगड़िया,रोहतास, औरंगाबाद, कैमूर, छपरा समेत 20 जिलों में सुबह पहले अंधेरा छा गया फिर तेज बारिश हुई। राज्य में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई।

काले बादलों की वजह से गाड़ियों की लाइट जलाकर लोग सफर करते देखे गए। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में अगले 3 दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। उधर, मध्य प्रदेश में ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों में दिन में हीटवेव चलेगी, जबकि शाम को बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। यूपी में गर्मी के बजाय बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और चंदौली में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। 100kmph की रफ्तार से हवाएं चलीं।

# '85 प्रतिशत अनुवाद में एआई का इस्तेमाल, 1,000 सुरक्षित केंद्र'

## एनटीए ने नीट सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** 'नीट यूजी 2026' पेपर लीक मामले में एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट में अपना विस्तृत जवाब दाखिल किया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कोर्ट को बताया कि परीक्षा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले ही कई ठोस कदम उठाए जा चुके हैं और भविष्य में भी मजबूत व्यवस्था लागू की जाएगी। एनटीए ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि हाई स्टेक परीक्षाओं में पेपर सेटर, मॉडरेटर, अनुवादक, प्रूफरीडर आदि को चुनने के लिए रैंडमाइजेशन और रोटेशन पॉलिसी को संस्थागत रूप दिया जा रहा है। साथ ही, परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के बैकग्राउंड को चेक करने में सख्त वेरिफिकेशन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। मानवीय हस्तक्षेप को कम करने और सुरक्षा जोखिम घटाने के लिए एनटीए अब अनुवाद कार्य के कम से कम 85 प्रतिशत हिस्से में एआई-बेस्ड टूल्स का उपयोग करेगी। इससे प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और सुरक्षित होगी। एनटीए ने कोर्ट को बताया कि परीक्षा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए देशभर के जाने-माने सरकारी संस्थानों में कम से कम



1,000 अत्याधुनिक सुरक्षित टेस्टिंग सेंटर बनाने की योजना है। इन केंद्रों पर क्लाउड-बेस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई-एमएल, ब्लॉकचेन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। पूरी प्लानिंग और एग्जीक्यूशन प्रोसेस की अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ निगरानी की जाएगी। तकनीकी मजबूती की बात करें तो सभी परीक्षा केंद्रों पर एआई-इनेबल्ड रियल-टाइम सीसीटीवी मॉनिटरिंग लागू की जा रही है। एडवांस्ड साइबर सिक्योरिटी सिस्टम और नेक्स्ट-जनरेशन फायरवॉल लगाए गए हैं। परीक्षा डिलीवरी और रिजल्ट प्रोसेसिंग के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह अपग्रेड किया गया है। एनटीए का कहना है कि इन सभी उपायों से पेपर लीक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा। एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन दिया कि परीक्षाओं की पवित्रता और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'नीट यूजी 2026' में पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद देशभर में व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए थे।

# भ्रष्टाचार पर सीएम भजनलाल शर्मा का वज्रप्रहार - एक आईएएस सहित 103 अफसर निलंबित

**●6 बर्खास्त, 108 प्रकरणों में दी अभियोजन स्वीकृति**

**एजेंसी**

**जयपुर।** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्ट और लापरवाह अफसरों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दे दिया है कि भ्रष्टाचारियों को शासन-प्रशासन में किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कड़े तेवर दिखाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति पर ढाई वर्ष में एक आईएएस अधिकारी सहित 103



अधिकारियों को निलंबित किया है। वहीं, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। उन्होंने रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरूपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है।

# ऑपरेशन सिंदूर: पाकिस्तान 4 दिनों में ही युद्धविराम मांगने पर हुआ मजबूर- राजनाथ सिंह

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने मात्र चार दिनों के भीतर पाकिस्तान को युद्धविराम की अपील करने पर मजबूर कर दिया। यह जानकारी शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि भारत की निर्णायक इच्छाशक्ति, आधुनिक सैन्य क्षमता और तीनों सेनाओं के उत्कृष्ट तालमेल का जीवंत उदाहरण था। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि भारत द्वारा अब तक लड़े गए युद्धों और अभियानों की तुलना में ऑपरेशन सिंदूर कई मायनों में अलग और अत्यंत प्रभावशाली रहा। दरअसल देश की सैन्य शक्ति, रणनीतिक क्षमता और सैनिकों के अदम्य साहस का प्रतीक बन चुके ऑपरेशन सिंदूर को लेकर शुक्रवार को एक विशेष अवसर देखने को मिला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऐतिहासिक सैन्य अभियान पर आधारित एक स्मारक प्रकाशन का विमोचन किया। नई दिल्ली में आयोजित



इस समारोह में भारतीय सेनाओं के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान पूरा वातावरण गर्व, सम्मान तथा राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के सैन्य इतिहास की एक अभूतपूर्व सफलता बताया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि शुक्रवार को जारी किया गया स्मारक प्रकाशन केवल घटनाओं का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह उन सैनिकों की भावनाओं, संघर्षों और अनुभवों को भी सामने लाता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों और रणनीतियों से नहीं जीते जाते, बल्कि उनमें नेतृत्व, साहस, मानसिक दृढ़ता और दबाव में सही निर्णय लेने की क्षमता सबसे बड़ी भूमिका निभाती है। यह पुस्तक इन्हीं पहलुओं को बेहद मानवीय और प्रेरणादायक तरीके से प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि जब देश के सैनिक सीमाओं पर अपने प्राणों की बाजी लगाते हैं, तब राष्ट्र के नागरिकों का भी दायित्व बनता है कि वे देशहित को सर्वोपरि रखें।

## तहसीलदार नीरजा कुमारी ने अरावली की पहाड़ियों को लांघकर लोयाणागढ़ किले में की जनगणना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर ।** प्रशासनिक निष्ठा और कर्तव्यपरायणता जब मजबूत इरादों से मिलती है, तो दुर्गम रास्ते भी सुगम हो जाते हैं। ऐसा ही एक मिसाल जालोर जिले के जसवंतपुरा में देखने को मिली, जहां तहसीलदार नीरजा कुमारी ने अरावली की दुर्गम पहाड़ियों के बीच स्थित ऐतिहासिक लोयाणागढ़ किले में स्वयं पहुंचकर जनगणना और भवन गणना के कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।



### चुनौतियों को मात देकर तय किया सफर

लोयाणागढ़ किला अरावली की ऊंची और पथरीली पहाड़ियों के बीच स्थित एक प्राचीन और ऐतिहासिक धरोहर है। इस किले तक पहुंचने के लिए कोई सुगम रास्ता नहीं है। प्रशासनिक टीम को वहां तक पहुंचने के लिए लगभग 10 से 12 किलोमीटर लंबा, ऊबड़-खाबड़, कंटीला और पथरीला मार्ग पैदल ही तय करना था। इस कठिन चढ़ाई को पार करना किसी चुनौती से कम नहीं था।

### चर्चा से बनी कार्ययोजना

जनगणना अभियान की समीक्षा के दौरान जब इस ऐतिहासिक और सुदूर क्षेत्र में गणना को लेकर चर्चा शुरू हुई, तब तहसील रीडर गणपतदान चारण ने किले के गौरवशाली इतिहास और उसकी भौगोलिक स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद क्षेत्र के पूर्व विधायक नारायण सिंह, ठाकुर पूरणसिंह और ठाकुर मनोहर सिंह ने सुझाव दिया कि इस ऐतिहासिक स्थल की महत्ता को देखते हुए यदि तहसीलदार स्वयं वहां जाएं, तो टीम का मनोबल बढ़ेगा। तहसीलदार नीरजा कुमारी ने इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया। राजस्व, वन विभाग और जनगणना टीम का संयुक्त अभियान तय रणनीति के तहत तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग, वन विभाग और जनगणना विभाग की संयुक्त टीम ने चढ़ाई शुरू की। तपती धूप और पथरीले रास्तों की परवाह न करते हुए पूरी टीम किले पर पहुंची। वहां पहुंचकर नियमों के अनुसार भवनों पर निशान लगाए गए और वहां रह रहे परिवारों की गणना का कार्य पूरी विधिक प्रक्रिया के साथ संपन्न कराया गया। इस दौरान प्रगणक संजय कुमार,मूलाराम,जनगणना टीम से विनोद,दीपचंद, राजस्व विभाग से जोगेंद्र सिंह,गणपतदान,ओमप्रकाश, राकेश,रेखा मीना,राम नरेश, भूराराम,ईश्वर सेन, वन विभाग से देवी सिंह,ओम, और प्रभु सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे ।

### क्षेत्र में हो रही है सराहना

एक महिला प्रशासनिक अधिकारी द्वारा इस तरह के बेहद कठिन और दुर्गम क्षेत्र में स्वयं जाकर मोर्चा संभालने की खबर जैसे ही नीचे आई, स्थानीय ग्रामीणों और प्रबुद्ध जनों ने उनकी जमकर सराहना की। लोगों का कहना है कि तहसीलदार नीरजा कुमारी का यह कदम न केवल प्रशासनिक सेवा के प्रति उनकी गहरी जिम्मेदारी को दर्शाता है, बल्कि यह हमारी ऐतिहासिक धरोहरों और वहां रहने वाले नागरिकों के प्रति सम्मान का एक अनूठा उदाहरण भी है।

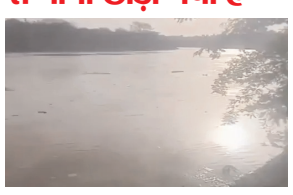
## डिस्ट्रिक्ट रिसेप्शन में 18 में से 16 सवालों का मौके पर ही समाधान, अधिकारियों से समय पर कार्रवाई करने का आग्रह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** मई डिस्ट्रिक्ट रिसेप्शन प्रोग्राम गांधीनगर डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट में आयोजित किया गया था। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर रविंद्र खटाले की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रोग्राम में आवेदकों के अलग-अलग सवालों पर सीधा संवाद किया गया। नतीजतन, 18 में से 16 सवालों का मौके पर ही समाधान किया गया। आज के डिस्ट्रिक्ट रिसेप्शन फोरम में आवेदकों को अलग-अलग विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी में अपने सवाल पेश करने का मौका दिया गया। कलेक्टर रविंद्र खटाले ने हर आवेदक की बात शांति से सुनी और संबंधित विभागों को इस बारे में तुरंत उचित मार्गदर्शन और कार्रवाई करने के आदेश दिए। इस प्रोग्राम के दौरान, जिले के नागरिकों द्वारा ज़मीन अधिग्रहण, अवैध निर्माण और स्थानीय बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कुल 18 अलग-अलग जटिल सवाल पेश किए गए। इन सभी मामलों की डिटेल में रिव्यू के बाद, 18 में से 16 एप्लीकेशन का मौके पर ही पॉज़िटिव तरीके से निपटारा कर दिया गया। जबकि बाकी दो एप्लीकेशन के लिए एडमिनिस्ट्रेशन ने नियम के मुताबिक एक्शन लेने का प्रोसेस शुरू कर दिया है। इस तरह काम करने के निर्देश कि एप्लीकेंट्स को बार-बार ऑफिस के चक्कर न लगाने पड़ें उस समय, कलेक्टर रवींद्र खटाले ने एडमिनिस्ट्रेशन से कहा कि लोगों की समस्याओं का टाइम पर सॉल्यूशन देना एडमिनिस्ट्रेशन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए ताकि नागरिकों को बार-बार ऑफिस के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का जल्दी सॉल्यूशन हो सके।

## मेशवो नदी के किनारे के गांवों को अलर्ट किया गया, क्योंकि जलाशय से पानी छोड़ा गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो



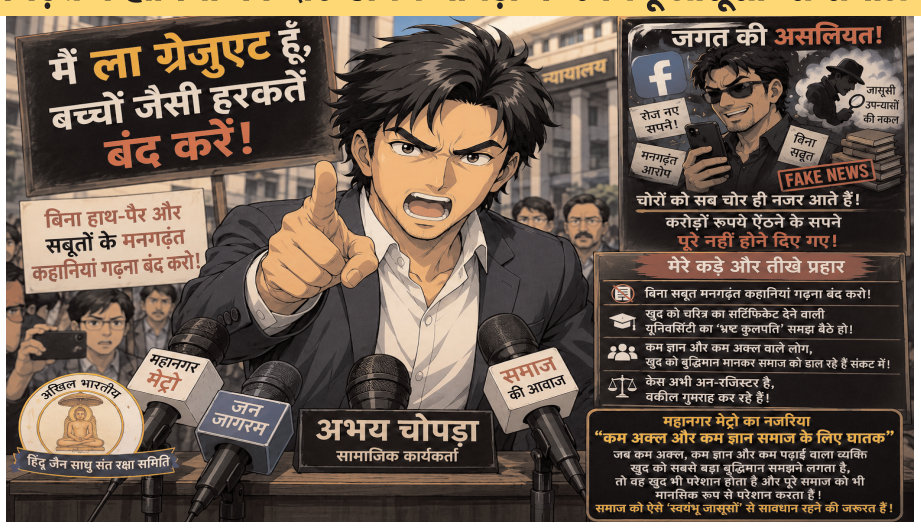
**साबरकांठा।** जिले के तलोद तालुका में जवनपुरा जलाशय से पानी छोड़े जाने के कारण मेशवो नदी के किनारे के गांवों को अलर्ट कर दिया गया है। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि जलाशय में मरम्मत और रखरखाव का काम चल रहा है। प्रोविंशियल इरिगेशन सब-डिपार्टमेंट ने पहले ही जिला प्रशासन और ममलतदारों को एक लेटर भेजकर नदी के किनारे के गांवों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया था। डिपार्टमेंट की जानकारी के मुताबिक, जलाशय के गेट अलाइनमेंट, वर्टिकल गेट में रबर सील बदलने और दूसरी टेक्निकल मरम्मत के लिए पानी छोड़ना ज़रूरी हो गया था। इसके तहत, 27 मई को सुबह 8 बजे से मेशवो नदी में लगभग 400 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। पानी छोड़ने से पहले, एडमिनिस्ट्रेशन ने प्रभावित गांवों को पहले से चेतावनी जारी की थी और लोगों से नदी के किनारे न जाने और सावधान रहने की अपील की थी। मेशवो नदी के किनारे बसे तालोद तालुका के बड़ोदरा, पानापुर, नन्ना, सिमलिया, गढ़वाड़ा, लालानी मुवाड़ी और मेहकल जैसे गांवों के पानी से प्रभावित होने की संभावना थी। इसके अलावा, गांधीनगर जिले के दहेगाम तालुका के बड़ोद, बावलानी मुवाड़ी, मसांग, खाखरा जैसे गांवों को भी अलर्ट कर दिया गया था। गांववालों को खासकर नदी के पास न जाने और जानवरों को दूर रखने की हिदायत दी गई थी। प्रोविंशियल इरिगेशन सब-डिवीजन के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने ज़रूरी कार्रवाई करने के लिए मामलातदार ऑफिस को एक लेटर भेजा था। एडमिनिस्ट्रेशन ने पुलिस, ग्राम पंचायत और लोकल अधिकारियों को भी सावधान रहने की हिदायत दी थी। खासकर पशुपालकों, किसानों और नदी किनारे खेती करने वाले लोगों को ज़्यादा सावधान रहने को कहा गया। इस बीच, दहेगाम तालुका की लाइफलाइन मानी जाने वाली मेशवो नदी में गर्मियों के बीच में अचानक पानी आने से स्थानीय लोग हैरान रह गए। नदी में पानी का बहाव बढ़ने पर कई लोग नदी किनारे पहुंच गए और गांवों में पानी छोड़े जाने की खबर चर्चा का विषय बन गई। कई सालों बाद गर्मी के मौसम में नदी में पानी का ऐसा बहाव देखकर लोग हैरान और परेशान हो गए।

# कानूनी दांवपेंच और सोशल मीडिया के सपनों में उलझा समाजः अभय चोपड़ा का 'जगत' पर करारा हमला,

## बिना सबूत सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत कहानियों का दौरः अभय चोपड़ा ने 'स्वयंभू जासूसों' से समाज को सावधान रहने की दी नसीहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नागदा।** जैन समाज और स्थानीय हलकों में चल रहा आंतरिक विवाद अब पूरी तरह खुलकर सड़कों और सोशल मीडिया पर आ गया है। नागदा के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता अभय चोपड़ा ने 'जगत' नामक व्यक्ति पर सीधा और तीखा हमला बोलते हुए उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। चोपड़ा ने दो टूक शब्दों में कहा है कि बिना हाथ-पैर और सबूतों के मनगढ़ंत कहानियां गढ़ना बंद किया जाना चाहिए, क्योंकि समाज ऐसी हरकतों से गुमराह और परेशान हो रहा है।




### 'ला ग्रेजुएट हूँ, बच्चों जैसी हरकतें बंद करें'

अभय चोपड़ा ने अपने सार्वजनिक बयान में तीखे लहजे में कहा, 'मैंने फोन पर भी पूछा था और आज फिर कह रहा हूँ कि मैं एक 'ला ग्रेजुएट' (कानून स्नातक) हूँ, जबकि आपकी हरकतें चौथी-पांचवीं के छात्र जैसी हैं। ऐसा लगता है कि बचपन में आपने जासूसी उपन्यास बहुत ज्यादा पढ़ लिए हैं, जिसकी नकल में आप आए दिन बिना किसी सिर-पैर और सबूत के नई कहानियां सोशल मीडिया पर लेकर आ जाते हैं। आपको रात में नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर रोज सपने आते हैं। विवाद की परतों को खोलते हुए चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि उनका संगठन 'अखिल भारतीय हिंदू जैन साधु संत रक्षा समिति' पूरी तरह पारदर्शी है। उन्होंने जगत पर निशाना साधते हुए कहा कि चोरों को सब चोर ही नजर आते हैं। करोड़ों रुपये ऐंठने के जो सपने देखे जा रहे थे, उन्हें ूरा नहीं होने दिया गया। कोर्ट-कचहरी के मामलों पर बोलते हुए उन्होंने आगाह किया कि केस अभी अन-रजिस्टर है और वकील सिर्फ गुमराह कर रह हैं। **जासूसी उपन्यासों की नकलः** बिना सबूत और तथ्यों के सोशल मीडिया पर रोजाना नई कहानियां गढ़ने का आरोप।

**चारित्र्य का फर्जी सर्टिफिकेटः** आरोप लगाया कि सामने वाला व्यक्ति खुद को हर किसी के चरित्र का प्रमाण पत्र देने वाली यूनिवर्सिटी का 'भ्रष्ट कुलपति' समझ बैठा है।

**समाज को परेशान करने का धंधाः** कम ज्ञान और कम अक्ल वाले लोग खुद को बुद्धिमान मानकर पूरे समाज को संकट में डाल रहे हैं। अभय चोपड़ा ने अपने बयान के अंत में एक बेहद गंभीर और कड़वी बात कही है, जो आज के सोशल मीडिया युग पर सटीक बैठती है। उन्होंने कहा कि जब कम अक्ल, कम ज्ञान और कम पढ़ाई वाला व्यक्ति खुद को सबसे बड़ा बुद्धिमान समझने लगता है, तो वह खुद भी परेशान होता है और पूरे समाज को भी मानसिक रूप से परेशान करता है। समाज को ऐसे 'स्वयंभू जासूसों' से सावधान रहने की जरूरत है।

# BJP अगली राज्यसभा में छोटी जातियों और ग्रुप्स को जगह देनेकी मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भावनगर।** गुजरात में राज्यसभा की चार सीटों के लिए अगले महीने चुनाव होने वाले हैं। विधानसभा सीटों की संख्या के हिसाब से BJP को हर सीट पर चार-चार सीटें मिलने की संभावना है। इसलिए, BJP पार्लियामेंट्री बोर्ड जो व्यक्ति चुनेगा, वह अपने आप राज्यसभा का सदस्य चुन लिया जाएगा। BJP पार्लियामेंट्री बोर्ड 6 तारीख को फॉर्म भरने की आखिरी तारीख से पहले इन चार नामों की घोषणा करेगा। गुजरात में कई ऐसी जातियां और ग्रुप्स हैं जिनके पास वोटों की संख्या तो है, लेकिन वे किसी खास चुनाव क्षेत्र में केंद्रित नहीं हैं और इसलिए उन्हें विधानसभा में सही प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। इनमें सोनी, धोबी, कारीगर वर्ग आदि जातियां शामिल हैं। क्षत्रियों में भी कुछ जातियां इसी परिभाषा में आती हैं। कई जातियों और ग्रुप्स की मांग है कि OBC को मिलने वाले फायदों और जरूरी फायदों के लिए आवाज उठाने के लिए उन्हें प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। सौराष्ट्र के काठी क्षत्रिय समाज के नेता सर्वश्री भरतसिंह वाला - जूनागढ़, दिलीपभाई खाचर - सूरत, देवुभा काठी - भरूच, पत्रकार और शिक्षाविद श्री तखुभाई सांडसूर - वेलावदर और दूसरे गणमान्य लोगों ने एक लिस्ट में




कहा है कि हमारी जाति को लंबे समय से विधानसभा और संसद जैसी कानूनी संस्थाओं में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। जिससे बुनियादी मुद्दे अनसुलझे रह गए हैं। वे गुजरात में BJP का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। तालुका पंचायत की करीब 100 सीटों पर इस जाति के लोग चुने गए हैं। नगर पालिकाओं और जिला पंचायतों में 50 से ज़्यादा सीटों पर हमारा प्रतिनिधित्व है। इसलिए, ऐसी भावना है कि हमारी जाति के किसी ऐसे नेता को पार्लियामेंट्री बोर्ड द्वारा इस राज्यसभा सीट के लिए टिकट दिया जाना चाहिए, जो उपयुक्त लगे। सौराष्ट्र के करीब आठ जिलों में आठ लाख की आबादी वाला यह जाति समूह भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने अपने नतीजे भी दिखाए हैं। इसलिए ऐसी भावना है कि हमारे किसी नेता को टिकट मिलना चाहिए।

# तीन खेतों में तोड़फोड़ और आगजनी, एक पंचर की दुकान को भी निशाना बनाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भरूच।** जिले के झगड़िया तालुका में अमलजार के पास रामपुर गांव के बाहरी इलाके में चार अलग-अलग जगहों पर अज्ञात लोगों ने नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों और गांववालों में डर और गुस्सा फैल गया है। तीन खेतों में तोड़फोड़ और आगजनी के अलावा, एक पंचर की दुकान के बाहर रखे टायर और ठेले जलाने की घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। पता चला है कि पूरी घटना में कुल 1,32,800 रुपये का नुकसान हुआ है। मामले में राजपारडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, झगड़िया तालुका के अमलजार गांव के नटवरभाई कांतिभाई वसावा का खेती वाला खेत रामपुर गांव के बाहरी इलाके में है। किसान ने खेत में जानवरों और मजदूरों के लिए छाया के तौर पर लकड़ी और चारे से एक मंडप बनाया था। 23 तारीख को कुछ अनजान लोग खेत में घुस आए और मंडप में आग लगा दी। इसके साथ ही, वहां रखे पत्ते, दो ट्रेलर खाद और जानवरों के लिए रखे घास के करीब 300 बंडल भी आग में जल गए। पता चला है कि इस घटना में किसान को करीब 30 हजार रुपये का



नुकसान हुआ है। इसके अलावा, कुछ अनजान लोगों ने पास के अनिल गंगाराम वसावा के खेत में बने पानी के बोर में रात में बड़े-बड़े पत्थर डालकर उसे भर दिया। पता चला है कि पानी के लिए इस्तेमाल होने वाले सिस्टम के खराब होने से किसान को करीब 82,800 रुपये का नुकसान हुआ है। इसी इलाके में चौकी गांव के बाहरी इलाके में मौजूद सोमाभाई भायललभाई वसावा के खेत को भी निशाना बनाया गया। खेत में मूंग की फसल लगी थी और सिंचाई के लिए PVC पाइपलाइन बिछाई गई थी।

अनजान लोगों ने धारदार हथियार से करीब 18 PVC पाइप काट दिए। इसके साथ ही खेत में लगे डीजल इंजन को पास की एक नाले में फेंक दिया। बताया

जा रहा है कि इस घटना में किसान को करीब 10,000 रुपये का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, गांव के पुराने आमोद बस स्टैंड के पास जगदीशभाई वसावा की पंचर की दुकान के बाहर रखे पुराने टायर और एक हैंड ट्रक भी जल गए। इस घटना में भी करीब 10,000 रुपये का नुकसान होने की खबर है। गांव वाले परेशान हैं क्योंकि एक ही इलाके में कुछ ही समय में नुकसान की चार अलग-अलग घटनाएं हुई हैं। नटवरभाई कांतिभाई वसावा ने पूरे मामले में राजपारडी पुलिस स्टेशन में अनजान



लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और नुकसान के लिए जिम्मेदार लोगों को ढूंढने के लिए कानूनी कार्रवाई कर रही है।

## कुख्यात धामा बराड़ और कृष्णानगर के PSI डी.आर. पुवार के बीच सांठगांठ का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** कुख्यात आरोपी धर्मेंद्रसिंह उर्फ धामा बराड़ और शहर के लोकल पुलिस स्टेशन के PSI के बीच सांठगांठ के सीक्रेट मैसेज जैसे ही सोशल मीडिया और पुलिस सर्कल में वायरल हुए, पूरे पुलिस सिस्टम में काफी हलचल मच गई है। गिरफ्तारी के दौरान पैर में गोली लगने की वजह से फिलहाल लंगड़ाकर चल रहा धामा बराड़ एक बार फिर चर्चा के सेंटर में आ गया है, लेकिन इस बार उसके साथ-साथ पुलिस ऑफिसर भी कानून के शिकंजे में फंसता दिख रहा है। मोबाइल फोन की जांच में चौंकाने वाला खुलासाइस पूरे विवाद के सामने आने के बाद जब क्राइम ब्रांच के सीनियर अधिकारियों ने आरोपी धर्मेंद्र सिंह उर्फ धामा बराड़ को हिरासत में लेकर शुरुआती पूछताछ की और उसके पास मौजूद कीमती मोबाइल फोन की अच्छी तरह से जांच की, तो चौंकाने वाली बात सामने आई। कृष्णानगर थाने में डी.आर. पुवार, जिन्हें कथित तौर पर सिफारिश के दम पर सर्विलांस स्क्वॉड के PSI की अहम जिम्मेदारी मिली थी, और कुख्यात आरोपी धामा बराड़ के बीच रेगुलर तौर पर WhatsApp पर चैटिंग होती पाई गई है।

### गंभीर सवाल और जांच की मांग

एक तरफ पुलिस सख्त कार्रवाई का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ कानून के रक्षक माने जाने वाले PSI के पर्दे के पीछे ऐसे आदतन अपराधी के संपर्क में होने के सबूत मिलने के बाद बड़े अधिकारी भी हरकत में आ गए हैं। सिफारिश के दम पर पोस्टिंग पाने वाले PSI डी.आर. पुवार, क्राइम ब्रांच ने अब अपनी जांच पुवार और धामा बराड़ के बीच चल रहे मामलों पर फोकस कर दी है। इस बात की पूरी संभावना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में जिम्मेदार पुलिस अधिकारी के खिलाफ सख्त डिपार्टमेंटल कार्रवाई की जाएगी।

## लव मैरिज करने वाली पाटीदार लड़की को उसके घरवाले फिल्मी अंदाज में ले गए, युवक के परिवार को बंधक बनाया




महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** सूरत शहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिससे कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यहां, जानकारी मिली है कि लव मैरिज करने वाली एक पाटीदार लड़की को उसके ही घरवाले फिल्मी अंदाज में ले गए। इतना ही नहीं, पुलिस में यह भी गंभीर मामला दर्ज किया गया है कि लड़की के घरवाले गुस्से में आकर युवक के परिवार को भी बंधक बना लिया। इस घटना के बाद लोकल कम्युनिटी और सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है।

### मन्नत रखने के बहाने पूरी घटना को अंजाम दिया गया

मिली जानकारी के मुताबिक, पाटीदार कम्युनिटी की लड़की ने अपनी मर्जी से लव मैरिज की थी, जो उसके घरवालों को मंजूर नहीं थी। परिवार ने बेटी को किसी भी हाल में घर वापस लाने का एक सोची-समझी योजना बनाई थी। परिवार ने बेटी को वापस लाने के लिए कुछ वादे पूरे करने का बहाना बनाया और उसी बहाने इस पूरी किडनैपिंग की घटना को अंजाम दिया गया। लड़की को ज़बरदस्ती ले जाने के बाद, आरोप है कि युवक के परिवार वालों को भी बंधक बनाकर डराया-धमकाया गया।

### पुलिस ने मामला दर्ज कर ज़ोरदार जांच शुरू की

जैसे ही यह चौंकाने वाली घटना सामने आई, पुलिस सिस्टम हरकत में आ गया। इस मामले में सूरत के सिंगनपोर डभोली पुलिस स्टेशन में एक ऑफिशियल शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस ने पाटीदार परिवार की दो महिला सदस्यों सहित इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी मामला दर्ज किया है। लव मैरिज के कारण पैदा हुए सामाजिक तनाव को ध्यान में रखते हुए, पुलिस की अलग-अलग टीमों ने लड़की को सुरक्षित छुड़ाने और इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए काम शुरू कर दिया है।

## शहर में शुरू होगा देश का पहला आर्कियोलॉजी और होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट!



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गुजरात।** यूनिवर्सिटी ने इस साल के बजट से पहले सरकार को अहमदाबाद में हेरिटेज और हॉस्पिटल मैनेजमेंट और आर्कियोलॉजी इंस्टीट्यूट शुरू करने का प्रस्ताव दिया था। जिसे मानते हुए सरकार ने यूनिवर्सिटी को यह इंस्टीट्यूट बनाने की मंजूरी दे दी है और अब इस इंस्टीट्यूट के लिए कुल 36.21 करोड़ रुपये की प्रोजेक्ट लागत के बदले 10.86 करोड़ रुपये की ग्रांट देने का फैसला किया है। यह इंस्टीट्यूट देश में अपनी तरह का पहला होगा।

### अहमदाबाद में देश का अनोखा इंस्टीट्यूट

गुजरात यूनिवर्सिटी अहमदाबाद में हॉस्पिटैलिटी, हेरिटेज मैनेजमेंट, आर्कियोलॉजी और लाइफ लॉन्ग लर्निंग का पहला सरकारी इंस्टीट्यूट शुरू करेगी। यह इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी अंधजन मंडल के पास अपनी जगह (मीदान) पर बनाएगी। इस इंस्टीट्यूट को बनाने समेत कुल प्रोजेक्ट लागत 36.21 करोड़ रुपये तय की गई है। जिसमें से सरकार ने शर्तों के साथ 10.86 करोड़ रुपये खर्च करने की एडमिनिस्ट्रेटिव मंजूरी दे दी है।

### सरकारी प्रस्ताव में रखी गई सख्त शर्तें

इस एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल के लिए सरकार की तरफ से बनाए गए प्रस्ताव में कई शर्तें भी रखी गई हैं। जिसके मुताबिक, यूनिवर्सिटी को कंस्ट्रक्शन के मैप और एस्टीमेट तैयार करने होंगे और संबंधित अथॉरिटी से टेक्निकल अप्रूवल लेना होगा। इसके अलावा, कंस्ट्रक्शन का डिज़ाइन रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट या तय संस्था से तैयार करवाना होगा। फॉरेस्ट और एनवायरनमेंट समेत बाकी सभी अप्रूवल लेने होंगे। इस संस्था के बारे में गुजरात यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर नीरजा गुप्ता ने कहा कि अभी देश में ऐसा कोई सरकारी या प्राइवेट संस्था नहीं है।

### होटल मैनेजमेंट को आर्कियोलॉजी से जोड़ा जाएगा

अभी, सिर्फ होटल मैनेजमेंट या हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट संस्था है। लेकिन गुजरात यूनिवर्सिटी की तरफ से शुरू की जाने वाली इस संस्था में होटल मैनेजमेंट को आर्कियोलॉजी से जोड़ा जाएगा। यह संस्था आर्कियोलॉजी, हॉस्पिटैलिटी, होटल मैनेजमेंट और म्यूजियोलॉजी और लाइफ लॉन्ग लर्निंग समेत 5 कोर्स ऑफर करेगी। यह पहला ऐसा संस्था होगा जिसमें होटल मैनेजमेंट को आर्कियोलॉजी के साथ जोड़ा जाएगा। सरकार की तरफ से तीन किश्तों में 36.21 करोड़ रुपये की ग्रांट दी जाएगी।

## एयरपोर्ट रोड के किनारे हाथ में आग लेकर दौड़ रही एक महिला ने पेड़ में आग लगाने की कोशिश की.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** एयरपोर्ट सर्किल से टर्मिनल तक का रास्ता सबसे बिज़ी रहता है। देश-विदेश से आने वाले पैसेंजर इसी रास्ते से गुज़रते हैं। उस समय, एयरपोर्ट सर्किल से झंडा सर्किल तक हाथ में आग लेकर दौड़ती एक अनजान महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। महिला के हाथ में आग लगी हुई थी और वह गाड़ियों के बीच सड़क पर दौड़ती दिख रही थी। एयरपोर्ट पुलिस ने वीडियो के आधार पर महिला के खिलाफ लापरवाही से हाथ में आग जलाने वाली छड़ी लेकर लोगों की जान खतरे में डालने का केस दर्ज किया है।

### हाथ में आग लेकर एयरपोर्ट सर्किल से झंडा सर्किल तक दौड़ रही महिला

मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के एयरपोर्ट रोड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में कुछ गाड़ियां एयरपोर्ट सर्किल से झंडा सर्किल जा रही हैं और उनके बीच एक महिला हाथ में जलती हुई कोई चीज़ लेकर पब्लिक रोड पर दौड़ रही थी। फिर वह थोड़ा आगे गई तो देखा कि एक पेड़ पर कुछ लटका हुआ है। पता चला है कि वह उसे आग लगाने की कोशिश करने वाली थी। यह वीडियो एयरपोर्ट पुलिस के ध्यान में आया।

### पब्लिक में ऐसी हरकत करने पर क्राइम रजिस्टर्ड

जैसे ही यह वीडियो अहमदाबाद एयरपोर्ट पुलिस के ध्यान में आया, पुलिस ने तुरंत इस वीडियो की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पूरे मामले में केस रजिस्टर कर लिया है। और आसपास के ष्टष्टञ्जङ्ख फुटेज के आधार पर महिला की पहचान करने की कोशिश की गई है। पुलिस ने महिला के खिलाफ पब्लिक में आग लगाकर लोगों की जान को खतरे में डालने का लापरवाही भरा काम करने का केस रजिस्टर किया है और जांच शुरू कर दी है।

## बैंक कर्मचारी की कार पेड़ से टकराने से ड्राइवर की मौत: कलोल के अलुवा गांव के पास भयानक हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो




गांधीनगर। जिले के कलोल में अलुवा गांव के बाहरी इलाके में 28 मई को एक गंभीर सड़क हादसे में एक कार ड्राइवर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बैंक कर्मचारी काम खत्म करके आनंद लौट रहे थे। इसी बीच, ड्राइवर का कार से कंट्रोल खो गया और कार एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक महिला समेत तीन अन्य कर्मचारी घायल हो गए। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, आनंद में कोटक महिंद्रा बैंक में काम करने वाले शैलेश परमार और उनके दोस्त पवन कुमार शर्मा, तुलसीबेन पटेल और पारुलबेन वसावा किसी काम से कलोल तालुका के अलुवा गांव में हॉलिडे होम्स गए थे। 28 मई को शाम को ये चारों दोस्त आनंद के लिए निकले।

### कार ड्राइवर पवन कुमार शर्मा की एक्सीडेंट में मौत हो गई।

उस समय पवन कुमार शर्मा अपनी होंडा एक्सेट कार को अलुवा गांव से गंभरथी चौकड़ी जाने वाली सड़क पर बहुत तेज़ और लापरवाही से चला रहे थे। इस वजह से उनका स्टीयरिंग से कंट्रोल खो गया और कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस एक्सीडेंट में कार ड्राइवर पवन कुमार शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई।

# सस्ते कोयले के लालच में कांडला के एक ब्रोकर ने बिज़नेसमैन से 64 लाख ठगे, 4 कंपनियों के ब्रोकर ने मिलकर ठगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** कोयले की ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सस्ते दाम पर कोयला दिलाने का लालच देकर कांडला के एक ब्रोकर समेत पांच अलग-अलग कंपनियों के मालिकों ने मिलकर बोदकदेव के एक बिजनेसमैन से 64.30 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने बिना माल भेजे फर्जी बिल और ई-वे बिल बनाकर धोखाधड़ी की। इस मामले में पीड़ित बिजनेसमैन ने वस्त्रापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

### 15% कमीशन की शर्त पर ब्रोकर एजेंट बना और खेल शुरू हो गया

मिली जानकारी के मुताबिक, बोदकदेव इलाके का रहने वाला 21 साल का किशन अंबावी केमिकल बनाने और कोयले की ट्रेडिंग का बिजनेस करता है। साल 2022 में उसकी मुलाकात कांडला के रहने वाले राज अयाची से हुई। राज ने खुद को कोयला मार्केट का एक्सपर्ट बताया और किशनभाई को सस्ते दाम पर कोयला दिलाने का लालच दिया। इसके बाद वह 15 परसेंट कमीशन की शर्त पर किशन की कंपनी में ऑथराइज़्ड एजेंट के तौर पर शामिल हो गया। दिसंबर 2022 से जुलाई 2025 तक ब्रोकर राज ने दूसरी कंपनियों के साथ मिलकर कुल




64,30,968 रुपये की धोखाधड़ी की।

### अलग-अलग कंपनियों के नाम पर इस तरह से पैसे ऐंठे

शुरू में ब्रोकर राज ने शिकायत करने वाले से इस कंपनी के रिप्रेजेंटेटिव प्रतीक बोथरा से सामान खरीदने की बात कहकर लाखों रुपये ट्रांसफर करवा लिए, जिसमें से 7,30,000 रुपये अभी भी बाकी हैं। बी. के. डी. मिनरल्स कंपनी को कमीशन के तौर पर 1,54,744 रुपये लेने थे, जो आज तक नहीं दिए गए। ब्रोकर राज ने इंडोनेशिया से कोयला मंगवाने के बहाने इस कंपनी के मालिक शक्तिसिंह के बैंक अकाउंट में 31,50,000 रुपये जमा करवाए थे। शिकायत करने वाले ने फाइनेंस कंपनियों से लोन लेकर यह रकम चुकाई थी, लेकिन कोई सामान नहीं मिला। आई एनर्जी नेचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड। कंपनी के मालिक वासुदेव पमनानी को 2,70,000 रुपये दिए गए, लेकिन उन्होंने शिकायत करने वाले की जगह किसी और को सामान भेज दिया और कंपनी के नाम पर नकली सर्विस बिल बना दिए। इस अकाउंट से अभी 2,16,224 रुपये लिए जाने हैं। नवंबर 2024 में कंपनी की मालिक भक्तिबेन चौ से सामान खरीदने के बहाने 13,80,000 रुपये फिर से बैंक में ट्रांसफर किए गए, जिसका कोई सामान नहीं मिला लेकिन नकली ई-वे बिल बन गए।

### पोर्ट पर लेबर के नाम पर 8 लाख कैश भी लिए

जैसे कि यह काफी नहीं था, ब्रोकर राज ने कांडला पोर्ट पर लेबर और ट्रांसपोर्टेशन खर्च के बहाने शिकायत करने वाले व्यापारी से 8 लाख रुपये कैश भी ले लिए। इस तरह, सभी पांचों आरोपियों ने आपस में मिलीभगत की और शिकायत करने वाले व्यापारी को माल भेजे बिना, उन्होंने सिर्फ कागज पर नकली बिल और बोगस ई-वे बिल जारी कर दिए। जब ??व्यापारी किशनभाई को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है, तो उन्होंने आखिरकार वस्त्रापुर पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया। पुलिस ने ब्रोकर राज अयाची समेत सभी पांचों के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

## पंजाब स्थानीय निकाय चुनाव में AAP की सुनामी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**चंडीगढ़।** पंजाब में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने विपक्ष के किलों को ढहाते हुए प्रचंड जीत हासिल की है। इन चुनाव परिणामों में 'आप' की ऐसी सुनामी आई है कि पारंपरिक दल माने जाने वाले कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल को करारी हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब के मतदाताओं ने एक बार फिर अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान की राजनीति पर मुहर लगाकर विरोधियों को चौंका दिया है।

### कुल 1616 वार्डों के परिणाम घोषित

चुनाव आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पंजाब के कुल 1616 वार्डों में से आम आदमी पार्टी ने



आधे से अधिक यानी 803 सीटों पर भव्य विजय दर्ज की है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ 'आप' स्थानीय निकायों में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है और अधिकांश नगर पालिकाओं पर अपना कब्जा जमा लिया है।

### कांग्रेस और भाजपा की करारी हार

दूसरी ओर, इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी दूसरे स्थान पर रही है, लेकिन वह 'आप' के मुकाबले काफी पीछे छूट गई है। कांग्रेस के खाते में महज 321 सीटें आई हैं। वहीं, देश भर में मजबूत मानी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी पंजाब के शहरी और ग्रामीण इलाकों में अपना जादू चलाने में नाकाम रही है और उसे सिर्फ 114 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है। पंजाब के क्षेत्रीय दल अकाली दल की स्थिति भी इस चुनाव में बेहद दयनीय नजर आई है। ये परिणाम दर्शाते हैं कि पंजाब की जनता ने पुराने दलों की राजनीति को नकार कर विकास और बदलाव के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी को पूर्ण बहुमत दिया है। स्थानीय स्तर पर मिली इस प्रचंड जीत से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

## सफाई अभियान शुरू होगा: सड़कों पर गंदगी साफ करने और एयर पॉल्यूशन कम करने के लिए नगर निगम 14 मिस्ट मशीनें खरीदेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर की पब्लिक सड़कों पर गैर-कानूनी तरीके से कचरा फेंकने से होने वाली गंदगी को हटाने और लगातार उड़ती धूल से बढ़ते एयर पॉल्यूशन को रोकने के लिए नगर निगम मिस्ट मशीनों से पानी का स्प्रे कर रहा है। पिछले साल सफाई सर्वे में देश में पहले नंबर पर रहे अहमदाबाद शहर को फिर से इसी पोजीशन पर बनाए रखने और एयर क्वालिटी इंडेक्स को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम 14 मिस्ट मशीन गाड़ियां खरीदेगा। नगर निगम के मुताबिक, शहर की पब्लिक सड़कों पर गैर-कानूनी तरीके से कचरा फेंकने, गंदगी फैलाने और परेशानी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। दूसरी ओर, स्मार्ट सिटी अहमदाबाद को कचरा-मुक्त और साफ-सुथरा बनाने के लिए निगम के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ने एक मेगा प्लान तैयार किया है। जिसके तहत शहर के अलग-अलग इलाकों की ज्योग्राफिकल लोकेशन को ध्यान में रखते हुए कुल 14 मिस्ट मशीन गाड़ियां खरीदी जाएंगी। यह मिस्ट मशीन एक एडवांस्ड हाई-प्रेशर वॉटर स्प्रेइंग और सक्शन मैकेनिज्म से लैस




होगी। ये टैंकर सड़क के किनारे जमा गंदगी, कीचड़ और परेशानी वाली जगहों को कुछ ही मिनटों में प्रेशर से साफ कर देंगे। इसके अलावा, इंडस्ट्रियल एरिया में एयर पॉल्यूशन कम करने के लिए टैंकर से पानी का स्प्रे भी किया जाएगा, जिसमें वे एरिया भी शामिल हैं जहां सड़क पर लगातार धूल उड़ती रहती है। इस तरह, सिस्टम ने सड़क की चौड़ाई और ट्रैफिक की डेंसिटी को ध्यान में रखते हुए टैंकरों का साइज़ माइक्रो-प्लान किया है। मेन रोड और हाईवे के लिए 8000 लीटर कैपेसिटी वाला टैंकर मिस्ट मशीन का साइज़ सड़क की चौड़ाई और ट्रैफिक की डेंसिटी को ध्यान में रखते हुए माइक्रो-प्लान किया गया है। जिसमें 1000 लीटर कैपेसिटी वाले 5 टैंकर शहर की तंग गलियों से आसानी से निकलकर गंदगी साफ कर सकेंगे, 3000 लीटर कैपेसिटी वाले 5 टैंकर अंदरूनी रेजिडेंशियल एरिया की सड़कों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। 8000 लीटर कैपेसिटी वाले 4 टैंकर शहर की मेन रोड, पुल और हाईवे की सफाई के लिए चलेंगे।

## गांधीनगर: सेक्रेटेरिएट में शॉर्ट सर्किट से बड़ा धमाका: 4 कर्मचारी झुलसे, 7 ब्लॉक में बिजली जाने से अफरा-तफरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** राज्य की राजधानी गांधीनगर में सेक्रेटेरिएट परिसर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सेक्रेटेरिएट के ब्लॉक नंबर 13 के पास बिजली सप्लाई की ट्रांसमिशन वायरिंग में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से बड़ा धमाका हुआ है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट के दो वायरमैन और दूसरे कर्मचारियों समेत कुल चार लोग घायल हो गए।

### ट्रांसमिशन में धमाका और घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया

मिली जानकारी के मुताबिक, यह बड़ी घटना नर्मदा डिपार्टमेंट और रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट के बीच मौजूद ब्लॉक नंबर 13 के नीचे हुई। बिजली सप्लाई लाइन में अचानक शॉर्ट सर्किट होते ही बड़ा धमाका हुआ। इस हादसे में ड्यूटी पर मौजूद दो वायरमैन गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जबकि एक और व्यक्ति के दोनों



हाथ जल गए हैं और कुल तीन लोगों को मामूली और बड़ी चोटें आई हैं। इस घटना से सेक्रेटेरिएट में अफरा-तफरी मच गई। सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए गांधीनगर के सिविल हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया है।

### 7 ब्लॉक में बिजली गुल, लिफ्ट बंद

धमाके का सीधा असर सेक्रेटेरिएट की बिजली सप्लाई पर पड़ा। सेक्रेटेरिएट के ब्लॉक 8 से 14 में अचानक बिजली चली गई, जिसमें स्वर्णिम संकुल-2 भी शामिल है। एहतियात के तौर पर और किसी बड़ी मुसीबत से बचने के लिए, ज़्यादातर ब्लॉक में लिफ्ट सर्विस तुरंत बंद कर दी गई। हालांकि, एडमिनिस्ट्रेशन की तुरंत कार्रवाई से कुछ देर बाद स्वर्णिम संकुल-2 में बिजली सप्लाई ठीक हो गई।

### गैर-कानूनी AC से बिजली लोड बढ़ने की चर्चा

चर्चा है कि इस घटना के पीछे एक बड़ी वजह बिजली लोड है। सरकार ने सेक्रेटेरिएट को सेंट्रल ACबनाने के लिए एक साल पहले ही करोड़ों रुपये की ग्रांट दी है। लेकिन, सरकार की ऑफिशियल परमिशन के बिना, नीचे के बोर्ड और कॉर्पोरेशन की मदद से सेक्रेटेरिएट के कई चैंबर और ब्रांच में अलग-अलग कई AC फिट कर दिए गए हैं। इन बेतरतीब ढंग से फिट किए गए AC की वजह से बिजली लाइनों पर बिजली का लोड कैपेसिटी से ज़्यादा हो गया था, फिला

## रिक्शा चालक एसोसिएशन ने खुद ही किराए में बढ़ोतरी का ऐलान किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** CNG गैस की कीमत में लगातार बढ़ोतरी के बाद रिक्शा चालक एसोसिएशन ने किराए में बढ़ोतरी कर दी है। अब पहले 1200 मीटर (मिनिमम किराया) के लिए यात्रियों को 20 रुपये देने पड़ते थे, जिसकी जगह 10 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 30 रुपये देने पड़ेंगे। उसके बाद 1200 किलोमीटर के बाद 15 रुपये प्रति किलोमीटर चार्ज लगता था, जिसमें 5 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। रिक्शा चालकों का किराया बढ़ाने या बनाए रखने के लिए एक रेट रिव्यू कमेटी बनाई गई है, जिसमें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर की अध्यक्षता में रिक्शा चालक एसोसिएशन के सदस्य कमेटी मेंबर के तौर पर शामिल हैं। कमेटी ने रिक्शा का किराया बढ़ाने के मुद्दे पर आखिरी बार 2022 में मीटिंग की थी। रेट रिव्यू कमिटी की मीटिंग हर साल होनी चाहिए थी, लेकिन ष्टह्वह्त के दाम हर साल बढ़ते गए, लेकिन रिक्शा का किराया नहीं बढ़ाया गया। जब रिक्शा एसोसिएशन की तरफ से इस मुद्दे पर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर से बात की गई, तो उन्होंने बोलकर कहा कि चुनाव के बाद इस मुद्दे पर ऑफिशियल फैसला लिया जाएगा, लेकिन कोई फैसला नहीं हुआ। जब से ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने चार्ज संभाला है, वह रिक्शा एसोसिएशन को सिर्फ भरोसा दिला रहे हैं। लेकिन उनके लिए कोई ठोस काम नहीं कर रहे हैं। जब इस मुद्दे पर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के तौर पर इंचार्ज ऑफिसर से कॉन्टैक्ट किया गया, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

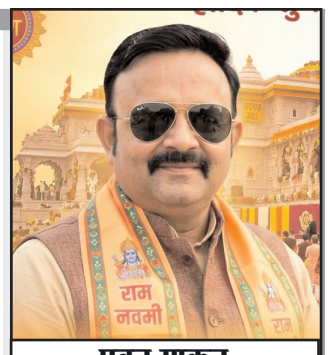


### AMTS में 45 रुपये के टिकट पर पूरे दिन सफर कर सकते हैं

AMTS बस में 45 रुपये का टिकट लेकर सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक पूरे दिन सफर किया जा सकता है। टिकट का किराया 12 साल तक के बच्चे के लिए 10 रुपये और महिलाओं के लिए 20 रुपये तय किया गया है। इसके अलावा, B.I.T.S. में 0 से 3 द्यद्व तक का मिनिमम किराया 5 रुपये है। सरकार को बिना कोई फैसला लिए इसे बढ़ाना पड़ा CNG की कीमतें दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं, जिससे रिक्शा चलाने वालों के लिए पुराने किराए पर गाड़ी चलाना या रिक्शा के मेंटेनेंस का खर्च उठाना नामुमकिन हो गया है। गैस के लगातार बढ़ते बोझ की भरपाई के लिए एसोसिएशन को आखिरकार कीमत बढ़ानी पड़ी है। रिक्शा का किराया बढ़ाने के लिए सरकार से अर्जी दी गई थी, लेकिन बिना कोई फैसला लिए ही कीमत बढ़ानी पड़ी है।



# दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

**राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।**

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले




लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।'

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ₹तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।₹ लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसंख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

## संपादकीय

### जरूरी सत्ता परिवर्तन

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है।

चिंतन-मनन

### सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है।

वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

## 'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ



कमलेश पांडेय

'लचीली भूराजनीति' यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो 'खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम' वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही 'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' तेजी से बढ़ रही है।

जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभः संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। 'मित्र' और 'प्रतिद्वंद्वी' दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरणः अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।

दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदाः भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड (Quad) में भी है, ब्रिक्स (BRICS) में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।

तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभः एप्पल (Apple), टेस्ला (Tesla), माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) जैसी वैश्विक कंपनियाँ देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहाँ लाने की कोशिश करते हैं, और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं।

# सवाल है कि ऐसी मतलबी कूटनीति से नुकसान किसका? तो जवाब होगा कि-

पहला, छोटे और कमजोर देशों काः अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव, और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फँस जाते हैं।

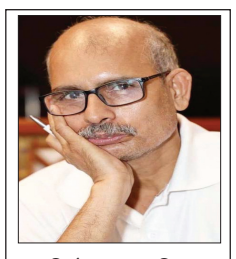
दूसरा, वैश्विक स्थिरता काः ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि 'तात्कालिक हित' देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं।

भारत के लिए क्या संदेश?

वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में 'संतुलनकारी शक्ति' बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी 'खुल जा सिमसिम' कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूँजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

## कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा



विनोद कुमार सिंह

राष्ट्र निर्माण,जनजागरण और लोकतंत्र की आत्मा बनी हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा...

'खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।' अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। 'बनारस अखबार','हिन्दी प्रदीप','कवि वचन सुधा', 'भारत मित्र', 'सरस्वती' और 'प्रताप' जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का 'प्रताप' केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

*'सत्य लिखना यदि अपराध है,*
*तो यह अपराध बार-बार होगा।'*

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट 'विश्वसनीयता' का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।'पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।'यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।'सबसे पहलेह्व दिखाने की होड़ में 'सबसे सही' दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है। पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय 'भाषाई पत्रकारिता' का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों-सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे।' कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए।' निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है।' हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवित रखा। 'स्याही से लिखी गई सच्चाई, इतिहास बदलने की ताकत रखती है।'हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष है।)

# CBI को मिली गिरिबाला और समर्थ की रिमांड, 2 जून तक चलेगी पूछताछ



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** उत्तरप्रदेश के भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में CBI जांच तेज हो गई है. पूर्व जज गिरिबाला सिंह और ट्विशा के पति समर्थ को कोर्ट ने पांच-पांच दिन की CBI रिमांड पर भेज दिया है. एजेंसी अब दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी. मामले में CCTV फुटेज, कथित सबूतों से छेड़छाड़ और घटना वाली रात की गतिविधियां जांच के केंद्र में हैं. भोपाल में चर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में गुरुवार को पूर्व जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किए जाने के बाद मामले की जांच और तेज हो गई है. सीबीआई द्वारा गिरिबाला की गिरफ्तारी के बाद ने आज गिरिबाला सिंह और ट्विशा के पति समर्थ को कोर्ट में पेश किया गया. यहां अदालत ने दोनों से पूछताछ के लिए सीबीआई को उनकी पांच-पांच दिन की रिमांड दे दी है. अब दोनों आने वाले 2 जून तक सीबीआई रिमांड पर रहेंगे. फिर 2 जून को दोपहर 2 बजे उन्हें कोर्ट में दोबारा पेश करना होगा. पहले से ही माना जा रहा था कि सीबीआई कोर्ट से दोनों की 3 से 7 दिन की रिमांड की मांग कर सकती है, क्योंकि एजेंसी अब गिरिबाला सिंह और समर्थ को आमने-सामने बैठाकर यह जानना चाहती है कि 12 मई की रात ट्विशा शर्मा की मौत से पहले आखिर क्या हुआ था. अब तक दोनों से अलग-अलग पूछताछ की जा रही थी. सीबीआई को इस बात का भी संदेह है कि घटनास्थल पर सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई, जिसके चलते गिरिबाला सिंह की गिरफ्तारी की गई है. जानकारी के अनुसार, गुरुवार को सीबीआई की टीम अचानक ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह के घर पहुंची थी. वहां उनसे लंबी पूछताछ की गई और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. इससे एक दिन पहले ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उन्हें मिली अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी. इस चर्चित मामले में घटना से पहले और बाद की घ्ष्टञ्जङ्क फुटेज, ट्विशा के पति समर्थ का घटना के बाद फरार होना और बाद में आत्मसमर्पण करना, साथ ही गिरिबाला सिंह के कई विवादित बयानों ने केस को लगातार सुर्खियों में बनाए रखा है. अब मामले में कानूनी कार्रवाई भी तेजी से आगे बढ़ रही है. जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है.

# 'पहले बॉयफ्रेंड को बुलाओ...', मोबाइल टावर पर चढ़ी लड़की की धमकी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजगढ़।** मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में प्रेमी से शादी की मांग को लेकर एक युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई. करीब एक घंटे तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस ने प्रेमी को मौके पर बुलाया और शादी का भरोसा दिलाकर युवती को सुरक्षित नीचे उतारा. घटना के बाद इलाके में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी. मध्य प्रदेश में राजगढ़ जिले के सुठालिया नगर के बस स्टैंड स्थित मोबाइल टावर पर गुरुवार शाम करीब 6 बजे उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 22 साल की युवती अपने प्रेमी से शादी कराने की जिद को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई. ऊंचे टावर पर चढ़ी युवती जोर-जोर से चिल्लाते हुए अपने प्रेमी को मौके पर बुलाने की मांग करने लगी. युवती का कहना था कि यदि उसके प्रेमी को नहीं बुलाया गया तो वह टावर से कूद जाएगी. घटना की जानकारी लगते ही बस स्टैंड क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. सूचना मिलने पर युवती के माता-पिता भी मौके पर पहुंचे और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन युवती अपनी जिद पर अड़ी रही. काफी देर तक मौके पर प्रेम प्रसंग का हाई वोल्टेड ड्रामा चलता रहा. मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम, थाना प्रभारी और नगर परिषद की टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने टावर पर चढ़ी युवती को समझाने की कोशिश की. इसके बाद युवती के प्रेमी को मौके पर बुलाया गया शादी करने का भरोसा दिया गया तब जाकर शाम करीब 7 बजे युवती को सुरक्षित टावर से नीचे उतारा गया. शादी को तैयार नहीं लड़की के घरवाले इसके बाद पुलिस युवती और उसके प्रेमी को थाने लेकर पहुंची, जहां दोनों से पूछताछ की जा रही है. सुठालिया थाना प्रभारी अनिल रहोरिया ने फोन पर जानकारी देते हुए बताया कि पूरा मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है. लड़की के परिजन लड़के से शादी कराने के लिए तैयार नहीं थे, जिसके चलते युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई थी. थाना प्रभारी के अनुसार लड़के के परिजन शादी के लिए तैयार हैं, लेकिन लड़की पक्ष अभी सहमत नहीं है. फिलहाल युवती और उसके परिजनों को थाने बुलाकर पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही.

# आलीशान रूम, बिस्तर पर युवती और नोटों की गड्डियां... हैरान कर देगी ससुराल से गायब दुल्हन की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मेरठ।** उत्तरप्रदेश के मेरठ से एक हैरान कर देने वाली कहानी सामने आई है. आरोप इतने गंभीर हैं कि पुलिस ने सीधे केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. एक महिला का आरोप है कि उसकी बेटी को पार्षद पति ने ससुराल से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले लिया और फिर उसे देह व्यापार में धकेल दिया. इस मामले में जब युवती का वीडियो सामने आया तो बवाल मच गया. युवती की शादी हो चुकी थी, वह शादी के बाद ससुराल से गायब हो गई थी. अब उसका जो वीडियो सामने आया है, उसमें युवती कथित तौर पर 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियों के साथ बेड पर लेटी दिखाई दे रही है. दूसरी तरफ युवती का एक और वीडियो वायरल है, जिसमें वह कह रही है कि वह अपनी मर्जी से ससुराल छोड़कर आई थी. पूरा मामला मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना इलाके का है. खत्ता रोड इलाके की



रहने वाली महिला एसएसपी ऑफिस पहुंची और पुलिस से शिकायत की. महिला ने बताया कि उसकी 22 साल की बेटी की शादी 17 अप्रैल 2026 को गाजियाबाद के मोदीनगर में हुई थी. महिला का कहना है कि वार्ड से जुड़े पार्षद पति का घर पर आना-जाना था. वह उसे मुंहबोला भाई मानती थीं. लेकिन आरोप है कि हाजी अफजाल की नजर बेटी पर थी. महिला का दावा है कि शादी के कुछ ही दिनों बाद हाजी अफजाल बेटी को ससुराल से अपने साथ ले गया. इसके बाद परिवार को बताया गया कि लड़की यूनिवर्सिटी में पढ़ रही है और पीजी में रह रही है. लेकिन युवती की मां का आरोप इससे कहीं ज्यादा गंभीर है. उनका कहना है कि आरोपी ने बेटी को देह व्यापार में धकेल दिया. इतना ही नहीं, वह उसे अपने साथ राजस्थान भी ले जाता था. महिला का आरोप है कि बेटी के खाते में बड़ी रकम भी ट्रांसफर की गई. महिला ने पुलिस को कुछ वीडियो सौंपे हैं. इनमें युवती कथित तौर पर नोटों की गड्डियों के साथ दिखाई दे रही है. महिला का दावा है कि ये वीडियो राजस्थान के हैं, जहां आरोपी युवती को लेकर गया था. हालांकि कहानी का दूसरा पक्ष भी सामने आया है. युवती का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रही है कि वह खुद अपनी मर्जी से ससुराल छोड़कर आई थी. मेरठ पुलिस फिलहाल दोनों पक्षों के दावों की जांच कर रही है.

# जिंदा लौटी शिवानी तो बुरहानपुर पुलिस का घूमा माथा, 22 दिन से उसकी हत्या के आरोप में पिता और भाई जेल में बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बुरहानपुर।** मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र पुलिस के बीच उलझे इस हाईप्रोफाइल मामले ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। महाराष्ट्र पुलिस जिस जली हुई सिर कटी लाश को शिवानी बताकर हत्या का केस चला रही थी। अब वही युवती खुद पुलिस के सामने पहुंचकर कह रही है कि साहब, मैं जिंदा हूं। दरअसल ,शिवानी गांव के ही अरुण नामक युवक के साथ भाग गई थी, जिसके बाद दोनों ने विवाह कर लिया था। डर के मारे दोनों अभी तक गांव नहीं आए थे।

## 22 अप्रैल को हुई थी लापता

दरअसल, बुरहानपुर जिले के खकनार थाना क्षेत्र के खड़की गांव निवासी शिवानी 22 अप्रैल को लापता हो गई थी। परिजनों ने तलाश की तो कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद एक मई को परिजनों ने खकनार थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। 10 दिन बाद महाराष्ट्र में एक जली कटी लाश मिली शिकायत के करीब 10 दिन बाद महाराष्ट्र के जलगांव-जामोद क्षेत्र में एक युवती की जली और सिर कटी लाश बरामद हुई। लाश की हालत इतनी खराब थी कि उसकी पहचान करना मुश्किल था। जांच करते हुए महाराष्ट्र के जलगांव-जामोद पुलिस बुरहानपुर पहुंची। खकनार थाने से गुमशुदा युवतियों




की जानकारी जुटाई। महाराष्ट्र पुलिस ने दावा किया कि बरामद शव शिवानी का है।

## शिवानी के पिता और भाई को हिरासत में लिया

इसके बाद पुलिस ने शिवानी के पिता बापूराव और भाई अजय को हिरासत में लिया। दोनों से पूछताछ की और फिर हत्या का मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर बुलढाणा जेल भेज दिया। 22 दिनों से जेल में बंद हैं पिता-पुत्र बेटी की हत्या के आरोप में पिछले 22 दिनों से पिता-पुत्र जेल में बंद हैं। पुलिस की नजर में वे दोनों ही किलर हैं, जिन्होंने प्यार से नाराज होकर बेटी की हत्या कर दी और उनके शव को जला दिया।

## जीवित लौटकर आई शिवानी

इस मामले में उस वक्त नया मोड़ आया, जब शिवानी थाने में जीवित लौट आई। उसे सोशल मीडिया के जरिए पता चला कि उसके पिता और भाई जेल में बंद हैं। अब पुलिस को उसने खुद को जिंदा होने की जानकारी दी है। इसके बाद खकनार पुलिस शिवानी को थाने लेकर पहुंची। शिवानी और अरुण के लापाता होने की शिकायतें उनके परिवार वालों ने एक और नौ मई को खाकनार पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थीं। आशुतोष बागड़ी, बुरहानपुर एसपी

### मैं जिंदा हूं...

शिवानी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि साहब, मैं जिंदा हूं मेरी हत्या नहीं हुई है। अब शिवानी को देखकर पुलिस अधिकारी हैरान हैं। खकनार पुलिस ने तुरंत यह जानकारी महाराष्ट्र के जलगांव-जमोद पुलिस को दी है। शिवानी के लौटने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। साथ ही यह सवाल हैं कि वह अज्ञात लाश किसकी थी। बिना पहचान के केस कैस दर्ज कर लिया महाराष्ट्र पुलिस पर यह भी सवाल उठ रहे हैं कि बिना शिनाख्त किए ही शिवानी के पिता और भाई पर केस कैसे दर्ज कर लिया। साथ ही उन्हें जेल भी भेज दिया। अब दोनों राज्यों की पुलिस पूरे मामले की जांच दोबारा करने में जुट गई है। साथ ही जेल में बंद निर्दोष बाप-बेटे को अब न्याय कब मिलेगा।

# बैतूल के कोरकूढाना में भीषण बिजली संकट, 20 दिनों से गांव में है अंधेरा; ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बैतूल।** मध्य प्रदेश के बैतूल जिले स्थित कोरकूढाना गांव में 20 दिनों से बिजली नहीं है। इससे नाराज ग्रामीणों ने विद्धुत सब स्टेशन के बाहर जाकर हंगामा किया है। साथ ही चक्का जाम की चेतावनी दी है। बैतूल : मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस बीच बैतूल के एक गांव के लोग बिजली संकट से जूझ रहे हैं, जब जिले का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। लोग इस भीषण गर्मी से बचने के लिए एसी और कूलर का सहारा ले रहे हैं। वहीं, जिले का एक गांव इस भीषण गर्मी में बीना बिजली के जीवन बीता रहा है।

## 20 दिनों से गांव में बिजली बंद

मामला भैंसदेही विकासखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोथलकुड अंतर्गत आने वाले ग्राम कोरकूढाना का है। यहां विगत 20 दिनों से गांव की बिजली बंद है। बिजली विभाग ने ग्रामीणों द्वारा बिजली बिल जमा नहीं करने का हवाला देकर पूरे गांव की बिजली काट दी है। आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। हो रही है परेशानी गांव की बिजली बंद होने से ग्रामीणों को आटा पीसाई और मोबाईल चार्ज करने पड़ोसी गांवों में जाना पड़ रहा है। वहीं, गांव की




नल-जल योजना बंद पड़ी है। ऐसे में लोग बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण बुजुर्ग और बच्चों को अंधेरे में रात काटना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस भीषण गर्मी में हम ग्रामीणों का जीना दुश्वार हो गया है। हम आदिवासियों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

## बिजली कार्यालय का घेराव कर की नारेबाजी

20 दिनों से अंधेरे में रह रहे ग्रामीणों ने कांग्रेस के पूर्व विधायक धरमू सिंग सिरसाम के नेतृत्व में सावलमेढ़ा विद्युत सबस्टेशन का घेराव किया है। साथ ही सिस्टम और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की है। ज्ञापन सौंपकर जल्द बिजली शुरू करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चैतावनी दी है कि समय पर बिजली शुरू नहीं की तो चक्का जाम और सड़कों पर प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। गौरतलब है कि बिजली संकट की वजह से गांव के लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। प्रशासन की तरफ से अश्वासन मिलने के बाद लोग घर लौट गए हैं।

# 'साहब! बचा लो वरना डूब जाऊंगा', युवराज हादसे के खौफ में दौड़ी नोएडा पुलिस,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दनकौर।** ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र में एक युवक ने शराब के नशे में अपनी कार पानी में डूबने की झूठी सूचना देकर पुलिस और आपातकालीन एजेंसियों को दौड़ा दिया. मौके पर पहुंची पुलिस ने जब कार को सुरक्षित और युवक को उसकी गर्लफ्रेंड के साथ अंदर बैठा पाया, तो उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया. ग्रेटर नोएडा के शिवकुमार ने शराब के नशे में अपनी कार गहरे पानी में डूबने की झूठी सूचना पुलिस को दी. उसने पुलिस से कहा कि उसे जल्दी बचाया जाए, वरना वह डूब जाएगा. कुछ महीने पहले नोएडा में युवराज नामक युवक की पानी में डूबने से हुई मौत की घटना के चलते पुलिस ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया. आनन-फानन में भारी पुलिस बल के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और गोताखोरों को तुरंत मौके के लिए रवाना कर दिया गया. लेकिन मौके पर पहुंचने के बाद जो सच्चाई पता चली उससे पुलिस दंग रह गई.

## कीचड़ में फंसी थी कार और अंदर बैठा था जोड़ा

दनकौर थाना प्रभारी मनोज सिंह चौहान के नेतृत्व में जब पुलिस टीम आपातकालीन अमले के साथ मंझावली पुल के पास पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गई. शिवकुमार की कार किसी गहरे पानी में नहीं डूबी थी, बल्कि रास्ता कच्चा होने के कारण सड़क किनारे एक हल्के और कीचड़ में फंसी हुई थी. गाड़ी के अंदर आरोपी शिवकुमार अपनी एक महिला मित्र यानी गर्लफ्रेंड के साथ सुरक्षित बैठा हुआ था. जांच में पता चला कि उसने अत्यधिक शराब का सेवन किया हुआ था. पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि शिवकुमार अपनी महिला मित्र के साथ मंझावली पुल की तरफ घूमने के लिए निकला था. जब उसकी गाड़ी कीचड़ में फंस गई और लाख कोशिशों के बाद भी बाहर नहीं निकली, तो उसने दिमाग चलाया. गाड़ी को कीचड़ से आसानी से निकलवाने के शॉर्टकट उद्देश्य से उसने पुलिस को कार डूबने और खुद की जान खतरे में होने की झूठी कहानी गढ़कर अधिकारियों को गुमराह कर दिया. शराबी युवक की इस करतूत से मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पुलिस प्रशासन को भारी मशक्कत करनी पड़ी. दनकौर पुलिस ने सरकारी तंत्र को परेशान करने, झूठी सूचना देने और शांति भंग करने के आरोप में शिवकुमार को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपी शिवकुमार का मेडिकल परीक्षण करवाया

# कौशांबी में तेज तूफान बना काल, कच्चे मकान पर पेड़ गिरने से मां समेत 2 बेटों की दबकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो




**कौशांबी।** शुक्रवार सुबह आए तेज आंधी-तूफान से एक नीम का पेड़ कच्चे मकान पर गिर पड़ा। तूफान से मकान की दीवारें भरभराकर ढह गई, जिससे वहां अपने तीन बच्चों संग सो रही एक महिला दबकर घायल हो गई। सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मां समेत दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह तेज आंधी-तूफान के दौरान एक नीम का पेड़ कच्चे मकान पर गिर गया। पेड़ गिरने से मकान की दीवारें ढह गईं। घर में अपने तीन बच्चों के साथ सो रही महिला मलबे में दब गई। घायलों की चीख पुकार पर पहुंची ग्रामीणों ने किसी प्रकार भी को बाहर निकाला और निजी वाहन में लादकर जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने महिला और उसके दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक बच्चे का इलाज चल रहा है।

## कच्चे मकान पर जा गिर पेड़

गांव का मंगर सरोज जो ईट भट्ठे में मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है। इन दिनों वह ईट भट्ठे पर ही रह रहा है। जबकि घर पर अपनी एक बेटी श्वेता (3) और दो बेटो अनुभव (4) व अंकुश (5)के साथ पत्नी माया देवी (28) रहती है। उसके घर के बगल में वर्षो पुराना एक विशाल नीम का पेड़ है। शुक्रवार सुबह तेज आंधी और बारिश के दौरान नीम का पेड़ अचानक पलटकर मंगर सरोज के कच्चे मकान पर गिर पड़ा। जिससे घर की दीवारें भरभराकर गिर पडी और मलबे में तब्दील हो गया।




# वृंदावन : बांके बिहारी मंदिर के गार्ड्स की बदली गई वर्दी, अब पीली टी-शर्ट में दिखेंगे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मथुरा।** वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में तैनात निजी सुरक्षाकर्मी अब आपको एक नई ड्रेस में दिखाई देंगे। मंदिर में तैनात सुरक्षा कर्मियों की ड्रेस अब बदल दी गई है। अब बांके बिहारी मंदिर में निजी सुरक्षा गार्ड आपको पीली टी-शर्ट में नजर आएंगे ,जिनकी टी-शर्ट पर बांके बिहारी मन्दिर का नाम और परिचय लिखा होगा। इससे सिक्योरिटी गार्ड्स की पहचान की जी सकेगी।

## सिक्योरिटी गार्ड करते हैं भक्तों से अभद्रता

वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के दर्शन करने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में भक्त देश और दुनिया के कोन-कोने से पहुंचते हैं। मंदिर में प्रवेश द्वार से लेकर मंदिर परिसर और बाहर तक निजी सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। लेकिन आए दिन



सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा भक्तों के साथ मारपीट और अभद्रता करने की खबरें सामने आती हैं। इसके कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। कई सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ वृंदावन कोतवाली में शिकायत भी दर्ज है। लेकिन मन्दिर के सुरक्षा गार्डों की पहचान नहीं हो पाती थी।

## बोर्ड बैठक में हाई पावर्ड कमेटी ने लिया फैसला

बांके बिहारी मंदिर में भक्तों के साथ मारपीट और अभद्रता के मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित बांके बिहारी हाई पावर्ड कमेटी ने अब सुरक्षा कर्मियों के ड्रेस को बदलने का फैसला लिया है। अब ड्रेस पर मंदिर का नाम और गार्ड का परिचय होगा। इसके साथ ही सुरक्षा कर्मियों को पीली टी-शर्ट पहनने का ड्रेस कोड लागू किया गया है। पीली टी-शर्ट पहनने से अब सीसीटीवों कैमरों से उनकी निगरानी भी होती रहेगी और पहचान भी संभव हो सकेगी।

## भक्तों के साथ विनम्रता का भाव

अब तक निजी सुरक्षा कर्मी जिस वर्दी में रहते थे, उससे उनकी पहचान नहीं हो पाती थी। इसके साथ ही चमकदार पीली टी-शर्ट पहनने से भक्त अब उनसे मदद भी मांग सकेंगे। ड्रेस कोड बदलने के साथ निजी सुरक्षा कर्मियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वह भक्तो से विनम्रता से पेश आएं। मंदिर प्रशासन का कहना है कि भक्तों की आस्था और सुरक्षा सम्मान सर्वोपरि है।

# पेंटर को रौंद गई स्कॉर्पियो कार, 20 दिन बाद थी बेटी की शादी, CCTV में कैद हुआ मौत की लाइव फुटेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**झांसी।** तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे पैदल जा रहे व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई है. परिजनों ने नाबालिग चालक पर जानबूझकर गाड़ी चढ़ाने का आरोप लगाया है. हादसे के बाद आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए, जबकि पुलिस जांच में जुटी हुई है. उत्तर प्रदेश के झांसी में दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है. नवाबाद थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार काली स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे पैदल जा रहे एक व्यक्ति को बेरहमी से कुचल दिया. हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया. वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि युवक खुद को बचाने के लिए दीवार से सटकर खड़ा हो जाता है, लेकिन तेज रफ्तार स्कॉर्पियो उसी दिशा में मुड़ जाती है और उसे रौंदते हुए निकल जाती है. हादसे में युवक की मौके पर ही



दर्दनाक मौत हो गई.

## 'गाड़ी में तीन से चार लोग थे सवार'

परिजनों ने आरोप लगाया है कि स्कॉर्पियो किसी व्यापारी का नाबालिग बेटा चला रहा था. उनका कहना है कि वीडियो देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि चालक ने जानबूझकर गाड़ी युवक की तरफ मोड़ी. हादसे के वक्त गाड़ी में तीन से चार लोग सवार बताए जा रहे हैं, जो घटना के बाद वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए. घटना गुरुवार शाम नवाबाद थाना क्षेत्र स्थित आरटीओ ऑफिस और स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के पास की बताई जा रही है. मृतक की पहचान 44 वर्षीय दिलीप कुशवाहा निवासी ढिलवारी का बाग, शिवाजी नगर के रूप में हुई है. दिलीप गुमनावारा क्षेत्र में डेंटिंग-पेंटिंग का काम कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे. वह रोज की तरह काम खत्म कर शाम करीब साढ़े चार बजे घर लौट रहे थे, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया.

## दीवार की ओर भागे तो वहीं घुसा दी कार

बताया जा रहा है कि दिलीप सड़क किनारे पैदल चल रहे थे. तभी तेज रफ्तार काली स्कॉर्पियो लहराते हुए उनकी तरफ आई. खुद को बचाने के लिए उन्होंने दीवार की ओर भागने की कोशिश की, लेकिन स्कॉर्पियो भी उसी दिशा में मुड़ गई और उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. हादसे के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए. राहगीरों और पुलिस की मदद से उन्हें मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. 20 दिन में होनी थी बेटी की शादी घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है.

## 'क्रिप्टो में पैसा लगाओ, मोटा मुनाफा पाओ'... ठाणे में 7 लोगों से 1.61 करोड़ की ठगी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**ठाणे।** क्रिप्टोकरेंसी में मोटे मुनाफे का सपना दिखाकर ठाणे में सात लोगों से 1.61 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है. आरोपी खुद को क्रिप्टो निवेश का जानकार बताता था और कम समय में भारी रिटर्न का दावा करता था. निवेशकों ने भरोसा कर करोड़ों रुपए जमा कर दिए, लेकिन न मुनाफा मिला और न पैसा वापस आया. क्रिप्टोकरेंसी... नाम सुनते ही कई लोगों को लगता है कि बस पैसा लगाओ और कुछ ही दिनों में रकम दोगुनी हो जाएगी. इसी लालच का फायदा उठाकर ठाणे में करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है. यहां एक शख्स ने लोगों को बंपर रिटर्न का सपना दिखाया और देखते ही देखते 7 निवेशकों से 1.61 करोड़ रुपए ऐंठ लिए. अब जब न मुनाफा मिला और न पैसा वापस आया, तब जाकर लोगों को समझ आया कि उनके साथ बड़ा खेल हो चुका है. मामला महाराष्ट्र के ठाणे शहर का है. कासरवडावली पुलिस ने 44 साल के एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है. आरोप है कि उसने दिसंबर 2023 से जून 2025 के बीच क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर सात लोगों को अपना शिकार बनाया. यह पूरी कहानी हाई रिटर्न के वादे से शुरू हुई. शिकायत करने वाले 45 वर्षीय व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि आरोपी खुद को क्रिप्टो निवेश का एक्सपर्ट बताता था. वह दावा करता था कि उसके जरिए पैसा लगाने पर कम समय में बड़ा मुनाफा मिलेगा. यानी वही पुराना फॉर्मूला- आज निवेश करो, कल अमीर बन जाओ. धीरे-धीरे आरोपी ने सिर्फ एक नहीं, बल्कि कुल सात लोगों को अपने झांसे में ले लिया. सभी को भरोसा दिलाया गया कि उनका पैसा सुरक्षित रहेगा और जल्द ही भारी रिटर्न मिलेगा. पुलिस के मुताबिक, आरोपी निवेशकों से कहता था कि पैसे एक खास बैंक खाते में जमा करें. यह खाता एक महिला के नाम पर था. बताया गया कि महिला का पति आरोपी के ऑफिस में काम करता है. निवेशकों ने भरोसा किया और अलग-अलग समय पर बड़ी रकम जमा करते गए. देखते ही देखते कुल रकम 1.61 करोड़ रुपए तक पहुंच गई. समय बीतता गया, लेकिन किसी निवेशक को न तो कोई मुनाफा मिला और न ही मूल रकम वापस आई. जब लोगों ने आरोपी से सवाल पूछने शुरू किए तो उन्हें बहाने मिलने लगे. कभी कहा गया कि मार्केट नीचे चल रहा है. कभी कहा गया कि प्रोसेस में देरी हो रही है. और फिर धीरे-धीरे निवेशकों को एहसास हुआ कि शायद उनके साथ ठगी हो चुकी है. आखिरकार पीड़ित पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई. कासरवडावली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. अब पुलिस बैंक ट्रांजेक्शन, खातों और आरोपी के नेटवर्क की जांच कर रही है.

## महाराष्ट्र में जहरीली शराब का कहर, पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में 12 की मौत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पुणे।** महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में जहरीली शराब पीने से 12 लोगों की मौत हो गई है. पुणे के फुगेवाड़ी में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई है. दोनों ही मृतक सगे भाई बताए जा रहे हैं. जहरीली शराब के सेवन से मौत के मामले सामने आने के बाद एक्शन में आए पुलिस-प्रशासन ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है. बताया जाता है कि मौत के यह मामले पिछले दो दिनों के हैं. पिंपरी-चिंचवाड़ में सात लोगों की मौत हुई है. वहीं, पुणे में पांच लोगों के लिए जहरीली शराब जानलेवा साबित हुई है. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अकेले छह लोगों की मौत पिंपरी-चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी इलाके में ही हुई है. इनमें दो सगे भाइयों की मौत भी शामिल है. पुणे में भी हड़पसर इलाके में जहरीली शराब के सेवन से छह लोगों की जान गई है. पुणे के हड़पसर इलाके में मौत के ये मामले सासाने नगर और कालेपदल से हैं. मृतकों में 45 साल के राहुल शरद क्षीरसागर, 45 साल के विजय भुखुरलाल शर्मा, अरुण दादर, अशोक रमेश चव्हाण शामिल हैं. जिन लोगों की फुगेवाड़ी में जान गई है, उनमें राजेश राजपूत, पांडुरंग फुगे, आनंद देसाई, अकबर पठान और आनंद निकालजे हैं. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के पुलिस अधिकारियों को मामले की गहन जांच के निर्देश दे दिए हैं.

## एंबुलेंस में डीजल नहीं होने के कारण प्रेग्नेंट महिला नहीं ले जाई जा सकी अस्पताल




महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हिंगोली।** महाराष्ट्र के हिंगोली में सरकारी एंबुलेंस मिलने में हुई देरी की वजह से महिला के अजन्मे बच्चे की मौत हो गई. महिला के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने एंबुलेंस में डीजल न होने की बात कहकर गाड़ी भेजने से मना कर दिया गया. लेकिन जिला प्रशासन का दावा है कि गाड़ी न मिलने की वजह डीजल की कमी नहीं थी. इस मामले को लेकर लोगों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है. ऐसे में सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबीतकर ने मामले की उच्च स्तरीय जांच का भरोसा दिया है. पीड़ित परिवार के मुताबिक, हिंगोली के जवाला बाजार इलाके में महिला को लेबर पेन शुरू हुआ. परिवार ने तुरंत सरकारी एंबुलेंस के लिए संपर्क किया, लेकिन उन्हें करीब दो घंटे तक इंतजार करना पड़ा. परिजनों का आरोप है कि उन्हें साफ कह दिया गया कि डीजल न होने के कारण एंबुलेंस नहीं भेजी जा सकती. महिला की बिगड़ती हालत को देख परिजनों ने जैसे-तैसे एक प्राइवेट गाड़ी का इंतजाम किया और उसे हिंगोली के सरकारी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे. वहां डॉक्टरों ने महिला का सिजेरियन ऑपरेशन किया, लेकिन वो बच्चे को नहीं बचा सके. महिला की मां ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए और कहा, 'हम गरीब लोग हैं. ऐसी इमरजेंसी में हम तुरंत प्राइवेट गाड़ी का इंतजाम कैसे करते? उन्होंने हमें एंबुलेंस देने से साफ मना कर दिया और कहा कि डीजल नहीं है. अगर मेरी बेटी को भी कुछ हो जाता, तो उसका जिम्मेदार कौन होता?' पीड़िता की मां ने आगे कहा, 'मुख्यमंत्री कहते हैं कि डीजल मिल रहा है, लेकिन हमें डीजल की कमी की वजह से गाड़ी नहीं मिली. डॉक्टरों ने कहा कि अगर हम थोड़े समय पहले अस्पताल पहुंच जाते, तो बच्चा बच सकता था .

# दिल्ली: हौज खास के घर में AC फटने से लगी आग, पूर्व IAS अधिकारी धनेंद्र कुमार की दम घुटने से हुई मौत

**दिल्ली के हौज खास इलाके में आग लगने की घटना में पूर्व CCI चेयरमैन और वरिष्ठ IAS अधिकारी धनेंद्र कुमार की मौत हो गई. शुरुआती जांच में AC की इनडोर यूनिट में ब्लास्ट के बाद आग लगने की बात सामने आई है.**

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**हौज.** दिल्ली के हौज खास इलाके में 27 मई की रात एक घर में भीषण आग लग गई. इस आग में देश के पहले भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग यानि ष्टष्टढ्ढ के चेयरमैन और रिटायर्ड ढ्ढस् अधिकारी धनेंद्र कुमार की मौत हो गई. वो 80 साल के थे. वो दिल्ली के AIIMS ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ गए. आग८ष्ट के इनडोर यूनिट में ब्लास्ट की वजह से लगी थी. पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. बुधवार की रात करीब 11 बजकर 18 मिनट पर हौज खास थाने को एक PCR कॉल आई. कॉल में बताया गया कि हौज खास के मकान नंबर R-15 में आग लग गई है. पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. दो फायर टेंडर्स यानी दमकल गाड़ियों की मदद से आग को बुझाया गया. उस वक्त घर में पांच लोग मौजूद थे. इनमें परिवार के सदस्य और घर में काम करने वाले नौकर भी शामिल थे. दो लोगों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया. इनमें से एक थे 80 साल के धनेंद्र कुमार, AIIMS ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान धुएं की वजह से दम तोड़ दिया. उनके बेटे को भी इलाज के लिए भर्ती किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत खतरे से बाहर है. पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आग AC के इनडोर यूनिट में ब्लास्ट की वजह से लगी थी. क्राइम टीम मौके पर पहुंची और पूरे घर की जांच की. इलेक्ट्रिकल यानी बिजली से जुड़ी जांच अभी चल रही है. मौके पर मौजूद लोगों के बयान भी दर्ज किए गए हैं. पुलिस को अभी तक किसी गड़बड़ी या साजिश का कोई संकेत नहीं मिला है. कौन थे धनेंद्र कुमार? धनेंद्र कुमार का जन्म 1946 में हुआ था. उन्होंने 1968 बैच के ढ्ढस् अधिकारी के तौर पर अपनी सरकारी नौकरी शुरू की थी. अपने लंबे करियर में उन्होंने केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार में कई बड़े पदों पर काम किया. केंद्र सरकार में उन्होंने रक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय में सचिव के तौर पर काम किया.

# 24-26 डिग्री पर रखें AC, दिन में लाइट रहें बंद... दिल्ली सरकार का 'बिजली बचाओ' आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**दिल्ली।** सरकार ने सभी विभागों को बिजली की बर्बादी रोकने और जरूरत के हिसाब से बिजली इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं. आदेश के तहत दिन में अनावश्यक लाइटें बंद रखने, प्राकृतिक रोशनी का उपयोग बढ़ाने और८ष्ट को 24-26 डिग्री सेल्सियस पर चलाने को कहा गया है. यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा बचत अपील के बाद लिया गया है. देश में बढ़ते ऊर्जा संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दिल्ली सरकार ने बिजली की बर्बादी रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने साफ कहा है कि दफ्तरों में अनावश्यक लाइटिंग से बचा जाए, प्राकृतिक रोशनी का ज्यादा उपयोग हो और एयर कंडीशनर ऊर्जा दक्ष तरीके से चलाए जाएं. सामान्य प्रशासन विभाग (ब्रष्ठ) द्वारा जारी आदेश में सभी विभागाध्यक्षों, स्वायत्त निकायों और स्थानीय निकायों को अपने अधीन आने वाले कार्यालयों में बिजली की खपत नियंत्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा गया है. आदेश में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन और ऊर्जा बचाने की अपील को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है. इसके तहत दिन के समय बेवजह जलने वाली लाइटों को बंद रखने और जहां संभव हो वहां प्राकृतिक रोशनी का अधिकतम इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं. सरकार ने यह भी कहा है कि कमरों, गलियारों और ऑफिस परिसरों में जरूरत से ज्यादा रोशनी से बचा जाए. केवल कार्य की आवश्यकता के अनुसार ही लाइटें चालू रखी जाएं. साथ ही मास्टर स्विच लगाने की सलाह दी गई है, ताकि काम खत्म होने के बाद सभी बिजली उपकरणों को एक साथ बंद किया जा सके और अनावश्यक बिजली खपत रोकी जा सके. आदेश के अनुसार एयर कंडीशनर 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच चलाए जाएंगे. जरूरत से ज्यादा कूलिंग से बचने और कार्यालय समय खत्म होने के बाद कूलर, एसी, कंप्यूटर, प्रिंटर और फोटोकॉपी मशीन जैसे उपकरण बंद करने को कहा गया है. संसाधन बचाने के लिए पहले से लागू हैं कई उपाय गौरतलब है कि दिल्ली सरकार इससे पहले भी खर्च और ईंधन बचाने के लिए कई कदम उठा चुकी है. मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों को मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है. इसके अलावा वर्क फ्रॉम होम और सरकारी वाहनों के सीमित उपयोग जैसे उपाय भी अपनाए गए हैं. सरकार का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और आर्थिक दबाव के बीच ऊर्जा संरक्षण अब केवल विकल्प नहीं बल्कि जरूरत बन चुका है.

# 'कॉकरोच जनता पार्टी' के मामले में केंद्र सरकार और एक्स को नोटिस, दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा अपडेट

**दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस संबंध में केंद्र सरकार और सोशल मीडिया साइट एक्स को नोटिस जारी किया है। जानें पूरा मामला।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो






**नई दिल्ली।** दिल्ली हाई कोर्ट ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके की याचिका पर केंद्र और एक्स को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में पार्टी के ङ्क अकाउंट को ब्लॉक किए जाने को चुनौती दी गई है। यह मामला जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव के सामने सुनवाई के लिए आया था। 'कॉकरोच जनता पार्टी' एक व्यंग्यात्मक सोशल मीडिया आंदोलन है, जो सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की ओर से एक सुनवाई के दौरान की गई एक मौखिक टिप्पणी के जवाब में शुरू हुआ था।

### 'कॉकरोच जनता पार्टी' के सोशल पेज पर एक्शन

सीजेआई उस टिप्पणी में उन्होंने ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से की थी। बाद में CJI ने साफ किया कि उनका इशारा उन लोगों की ओर था जिनके पास फर्जी डिग्रियां हैं। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के सोशल मीडिया हैंडल्स बाद में सस्पेंड कर दिए गए थे, जिन पर कुछ ही दिनों में लाखों फॉलोअर्स जुड़ गए। अभिजीत दीपके की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अखिल सिब्बल हुए पेश सोमवार को, CJI ने एक याचिकाकर्ता से कहा था कि वह 'कॉकरोच जनता पार्टी' के मुद्दे को इतनी भावुकता से न ले, जब वकील ने इस मामले से जुड़ी एक याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए लगाए जाने का उनसे अनुरोध किया था। अभिजीत दीपके की ओर से सीनियर एडवोकेट अखिल सिब्बल पेश हुए। उनके अनुरोध पर कोर्ट ने दीपके को वर्चुअली या अपने प्रतिनिधि के जरिए कोर्ट में पेश होने की इजाजत दी। अभिजीत दीपके फिलहाल भारत में नहीं हैं।

### 'हमारा अकाउंट ब्लॉक नहीं किया जा सकता'

अखिल सिब्बल ने दलील दी कि हमें नोटिस दिए बिना, सुने बिना और आपत्तिजनक सामग्री दिखाए बिना हमारा अकाउंट ब्लॉक नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने गौर किया इसके लिए एक रिव्यू कमिटी है जो इसकी समीक्षा करेगी। कोर्ट ने दीपके को रिव्यू कमिटी के सामने पेश होने के लिए कहा। मामले में अगली सुनवाई 7 जुलाई को होगी। दीपके को तत्काल कोई राहत हाईकोर्ट से नहीं मिली।

# महाराष्ट्र में कैसे सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल? शरद पवार गुट के विधायक ने लेटर लिखकर बताया फॉर्मूला

महानगर मेट्रो ब्यूरो




**मुंबई:** महाराष्ट्र की महायुति सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम कर आम आदमी को बड़ी राहत दे सकती है, लेकिन उसके लिए सरकार को पेट्रोल-डीजल पर वसूला जाने वाला मूल्य वर्धित कर (वैट) और अधिभार वापस लेना पड़ेगा या फिर उसे कम करना होगा। इससे महाराष्ट्र सरकार की तिजोरी पर असर पड़ेगा। वैट और अधिभार तत्काल वापस लेने के लिए राज्य के पूर्व वित्त मंत्री व शरद पवार की पार्टी के विधायक जयंत पाटील ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र भी लिखा है। पाटील का दावा है कि राज्य सरकार चाहे तो पेट्रोल 70 से 80 रुपये प्रति लीटर तक ला सकती है। गुरुवार को पाटील ने अपने पत्र में लिखा है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ गया है। लोगों की कमर तोड़ दी है। पिछले 10 दिनों में ईंधन की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी हुई है। मुंबई में पेट्रोल 111.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.86 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। महाराष्ट्र में कैसे सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल पत्र में पाटील ने दावा किया कि आज राज्य की महायुति सरकार पेट्रोल पर करीब 25 प्रतिशत वैट और 10.12 रुपये प्रति लीटर अधिभार वसूल रही है। वहीं, डीजल पर करीब 24 प्रतिशत वैट और तीन रुपये प्रति लीटर अधिभार लेती है। पाटील ने मांग की है कि राज्य सरकार पेट्रोल और डीजल पर वैट और अधिभार तत्काल समाप्त करे। उनका दावा है कि ऐसा करने से ईंधन की कीमतें घटकर लगभग 70-80 रुपये प्रति लीटर तक आ सकती हैं और इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। एनसीपी (एसपी) के वरिष्ठ नेता पाटील का कहना है कि पेट्रोल और डीजल पर महाराष्ट्र सरकार से वैट तथा अधिभार वापस लेकर पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम कर सकती है। इससे बढ़ती महंगाई के बीच लोगों को राहत मिलेगी। पाटील ने कहा कि खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के कारण महाराष्ट्र एवं पूरे देश की आर्थिक स्थिति पर गंभीर दबाव पड़ा है।

## दिल्ली पुलिस ने IPL टिकट ब्लैक को माना संगठित अपराध, BNS की धारा 111 भी जोड़ी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** अरुण जेटली स्टेडियम में IPL के दौरान कॉम्प्लिमेंट्री पास और टिकटों की कालाबाजारी को संगठित अपराध करार दिया गया है। क्राइम ब्रांच ने केस में गैर जमानती भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 भी जोड़ी है। शुरुआत में लगी सभी धाराएं जमानती थी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट असोसिएशन नोटिस का जवाब ने भेज दिया है, जिसका क्राइम ब्रांच को अनालिसिस कर रही है। क्राइम ब्रांच का दावा था कि 8 मई को दिल्ली कैपिटल और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मैच से पहले दिल्ली गेट के करीब पेट्रोल पंप के पास टिकट ब्लैक करते हुए मुकीम (35), गुफरान उर्फ साजिद (36) और मोहम्मद फैसल (38) को पकड़ा। इनसे 33 कॉम्प्लिमेंट्री पास समेत कुल 54 टिकट मिले। पूछताछ में खुलासा हुआ कि 4 अप्रैल के पहले मैच से ही ब्लैक कर रहे थे। फिलहाल तीनों आरोपियों को कोर्ट से 23 मई को जमानत मिल चुकी है। इनका दावा था कि 'NOT FOR SALE' वाले कॉम्प्लिमेंट्री पास और टिकट पेट्रोल पंप मैनेजर पंकज यादव से मिले थे। क्राइम ब्रांच ने 11 मई को पंकज को भी गिरफ्तार कर लिया।

### इन धाराओं में केस

**316-2 (आपराधिक विश्वासघात):** कोई शख्स भरोसे से सौपी चीज का गलत इस्तेमाल करता है तो उसे 5 साल तक की सजा, जुर्माना

**318-2 (साधारण धोखाधड़ी):** जानबूझकर धोखा देकर पैसा वसूल करने पर अधिकतम 3 साल की सजा और जुर्माना

**319 (भेष धारण करना):** किसी का भेष धारण कर धोखा देना, 5 साल तक की सजा और जुर्माना या दोनों

**61-2 (आपराधिक साजिश):** वारदात में एक से ज्यादा आरोपी हो, जिनमें कुछ उसे करवाने की साजिश में शामिल हो तो जुर्म में बराबर भागीदार

**111 (संगठित अपराध):** संगठित अपराध करने वाले गैंग का सदस्य होने पर 5 साल से उम्रकैद तक और 5 लाख रुपये जुर्माना

## राजेंद्र नगर इलाके में घर के अंदर ननद-भाभी के शव मिले, बिल्डिंग के अंदर किसी के घुसने के निशान नहीं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के न्यू राजेंद्र नगर इलाके में गुरुवार सुबह एक घर के कमरे में ननद और भाभी का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान दोनों महिलाएं मृत मिलीं। घटना की जानकारी घर में काम करने वाली हाउस हेल्पर ने दी थी। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में घर में जबरन घुसने, तोड़फोड़ या किसी तरह की गड़बड़ी के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस बीएनएसएस की धारा 194 के तहत जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, गर्मी के कारण मौत की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह साफ हो सकेगी। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे न्यू राजेंद्र नगर के एक मकान से बदबू आने की सूचना मिली थी। यह जानकारी मकान के बरामदे की सफाई करने वाली नौकरानी ने दी। उसने बताया कि घर के सभी दरवाजे बंद थे और अंदर से तेज बदबू आ रही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां चंद्रकांता (80) और सरोज बाला (80) एक कमरे में मृत मिलीं। एक महिला बिस्तर पर लेटी हुई थी, जबकि दूसरी फर्श पर पड़ी थी। कमरे से तेज बदबू आ रही थी। पुलिस के मुताबिक, मकान एक मंजिला है। जांच के दौरान कहीं भी जबरन घुसने, तोड़?फोड़ या गड़बड़ी के जिस हाउस हेल्प महिला ने पुलिस को सूचना दी, उसने दो दिन पहले बुजुर्ग महिलाओं के लिए चाय बनाई थी। क्राइम टीम को कमरे में चाय के कप भी पड़े मिले हैं। मधुर वर्मा, जॉइंट पुलिस कमिश्नर निशान नहीं मिले। पूछताछ में पता चला कि दोनों महिलाएं लंबे समय से साथ रह रही थीं। सरोज बाला अविवाहित थीं, जबकि चंद्रकांता उनकी भाभी थीं। दोनों रिटायर्ड थीं और पेंशन से उनका खर्च चलता था। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में फिलहाल किसी साजिश की बात सामने नहीं आई है लेकिन सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है। पश्चिमी दिल्ली में रहने वाले उनके परिजनों को बुलाया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

## महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में सभी 17 सीटें जीतेगी महायुति, एकनाथ शिंदे का दावा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को पूरा भरोसा जताया कि महायुति गठबंधन आने वाले विधान परिषद चुनावों में पूरी एकता के साथ चुनाव लड़ेगा और सभी 17 सीटों पर जीत हासिल करेगा। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गठबंधन के भीतर किसी भी अंदरूनी कलह की अफवाहों को खारिज कर दिया और कहा कि सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला आपसी सम्मान के साथ तय किया जाएगा। जहां विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सभी 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, वहीं उन्होंने दावा किया कि वे एक भी सीट नहीं जीत पाएंगे। एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही सीटों के बंटवारे के ढांचे को स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन मजबूत है। हम मिलकर काम कर रहे हैं और महाराष्ट्र के विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। विपक्ष महायुति गठबंधन की एकता को पचा नहीं पा रहा है। उन्होंने मीडिया की जल्दबाजी पर हल्के-फुल्के अंदाज में सवाल उठाते हुए पूछा कि मीडिया को इतनी जल्दबाजी क्यों है? शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत के उस बयान पर तंज किया, जिसमें राउत ने दावा किया था कि उन्हें मौजूदा राज्य सरकार में 'घुटन' महसूस हो रही है। शिंदे ने इस बयान को जनता को गुमराह करने की कोशिश बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष बस महायुति गठबंधन की ताकत को पचा नहीं पा रहा है। उन्होंने उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा और उन लोगों की 'दयनीय स्थिति' की ओर इशारा किया, जो कभी बेहद तीखी भाषा का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने दावा किया कि महायुति गठबंधन मजबूत है। हम मिलकर काम कर रहे हैं। भाजपा, शिवसेना और एनसीपी मिलकर महाराष्ट्र के विकास को आगे बढ़ा रहे हैं, और इससे विपक्ष को जलन हो रही है, क्योंकि वे इसे पचा नहीं पा रहे हैं, इसलिए वे गुमराह करने वाले बयान दे रहे हैं।

## महिला वॉशरूम में मिला सीक्रेट कैमरा, सरकारी दफ्तर में मचा हड़कंप

जगतसिंहपुर ( (एजेंसी)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में स्थित जिला ग्रामीण विकास एजेंसी कार्यालय में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। यहां महिला वॉशरूम में संदिग्ध सीक्रेट कैमरा मिलने से सरकारी दफ्तर में हड़कंप मच गया। घटना सामने आने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि वित्त विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारी मधुस्मिता सामंतराय जब वॉशरूम में पहुंचीं, तभी उन्हें एक संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस दिखाई दिया। डिवाइस नीचे गिरा हुआ था, जिससे शक होने पर उन्होंने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध कैमरे को जब्त कर लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। तिरतोल के उप पुलिस अधीक्षक अजय कुमार दास ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई गई है। कार्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कैमरा किसने और कब लगाया। डिजिटल फॉरेंसिक टीम यह जांच कर रही है कि कैमरे में कोई रिकॉर्डिंग मौजूद है या नहीं और कहीं डेटा किसी अन्य डिवाइस में ट्रांसफर तो नहीं किया गया। घटना के बाद महिला कर्मचारियों में डर और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

## कमजोर पड़ सकता है मानसून, अल नीनो बढ़ा रहा चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून की दस्तक को लेकर जहां अच्छी खबर सामने आ रही है, वहीं मौसम विभाग की चेतावनी ने चिंता भी बढ़ा दी है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से केरल तट की ओर बढ़ रहा है और समय से पहले पहुंचने की संभावना जताई गई है। लेकिन इसके साथ ही इस वर्ष देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान भी लगाया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रशांत महासागर में विकसित हो रही 'अल नीनो' स्थिति भारत के मानसून को कमजोर कर सकती है। अल नीनो के प्रभाव से बारिश कम होने और गर्मी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि इस बार मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से नीचे रह सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य भारत के कई इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है, जबकि कुछ क्षेत्रों में अचानक भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति भी बन सकती है। मौसम विभाग ने जून से कई राज्यों में लू के बढ़ते खतरे की चेतावनी भी दी है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर खेती, जल संकट और महंगाई पर पड़ सकता है। देश की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है और कम बारिश से फसलों के उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

## नाबालिग से गैंगरेप का आरोपी दरोगा अरेस्ट

कानपुर( एजेंसी)। कानपुर में नाबालिग लडक़ी से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी दरोगा अमित कुमार मौर्या को पुलिस 144 दिन बाद गिरफ्तार कर सकी। आरोपी दरोगा पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोप है कि 5 जनवरी को दरोगा ने यूट्यूबर शिवबरन सिंह के साथ मिलकर सचेंडी क्षेत्र निवासी 14 साल की लडक़ी के साथ गैंगरेप किया। इसके बाद पुलिस ने यूट्यूबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि आरोपी दरोगा फरार चल रहा था। पीड़ित लडक़ी के मुताबिक, 5 जनवरी की रात करीब 9.30 बजे वह शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान भीमसेन चौकी में तैनात दरोगा अमित कुमार मौर्या और यूट्यूबर शिवबरन यादव ने उसके साथ गैंगरेप किया। करीब 45 मिनट तक उसके साथ दरिंदगी हुई। मामले में किशोरी की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

## पूर्व सपा नेता नवाब सिंह को 8 साल की सजा

कन्नौज (एजेंसी)। नाबालिग से रेप के आरोपी और पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव और उसके भाई नीलू को गैंगस्टर मामले में 8-8 साल की सजा हुई है। कन्नौज कोर्ट ने शुक्रवार को इसी मामले में सहआरोपी पूजा तोमर को भी 6 साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने नवाब और नीलू पर 10-10 लाख रुपए और पूजा तोमर पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। नवाब सिंह यादव को दो साल पहले 15 साल की नाबालिग से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित को पूजा तोमर नवाब सिंह के पास लेकर पहुंची थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे सह-आरोपी बनाया था। जांच में सामने आया कि नवाब सिंह के भाई नीलू ने साक्ष्य मिटाने और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने नीलू और नाबालिग की रिश्तेदार को भी गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी।

## बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर ओडिशा में अलर्ट, सीमावर्ती जिलों में बढ़ाई निगरानी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे अभियान के बाद अब ओडिशा सरकार भी सतर्क हुई है। ओडिशा सरकार ने पश्चिम बंगाल से सटी सीमाओं वाले जिलों में संभावित घुसपैठ को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। खासतौर पर बालासोर और मयूरभंज जिलों में सुरक्षा एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश हैं। यह कदम तब उठाया गया, जब उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट उप-मंडल स्थित हाकिमपुर जांच चौकी पर बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों के जुटने की खबर सामने आई। पुलिस उपमहानिरीक्षक (पूर्वी परिक्षेत्र) पिनाक मिश्रा ने कहा कि बंगाल में कार्रवाई के चलते संदिग्ध घुसपैठिए दूसरे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं। इसके बाद उनके ओडिशा में प्रवेश की आशंका को देखकर राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ जलमार्गों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है और संबंधित पुलिस थानों को सतर्क किया गया है। मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें कानून के तहत देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया जारी है। बालासोर जिले के भोगराई और जलेश्वर ब्लॉक पश्चिम बंगाल के कई जिलों से जुड़े हुए हैं, जबकि मयूरभंज की सीमा भी पश्चिम मेदिनीपुर से लगती है। इसकारण इन इलाकों में अतिरिक्त चौकसी बरती जा रही है। इस मुद्दे पर ओडिशा की राजनीति भी गरमा गई है। राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि घुसपैठियों की पहचान और निर्वासन के लिए अभियान पहले से चलाया जा रहा है।

# भारत के पास सिर्फ 4-5 दिन का रणनीतिक तेल भंडार: पेट्रोल-एलपीजी की कीमतों पर दबाव



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, कंसल्टेंसी फर्म ने भारत को भविष्य के संकटों से बचने के लिए एक बड़ा रणनीतिक भंडार तैयार करने की चेतावनी दी है। फर्म की मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास वर्तमान में केवल 4-5 दिनों की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए ही कच्चा तेल रणनीतिक भंडार में है, जो आम लोगों की जेब पर पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और खाद की कीमतों में भारी उछाल के रूप में सीधा असर डाल सकता है।

रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में जारी संकट को बड़ी वजह माना गया है, जिसने भारत की आयात पर अत्यधिक निर्भरता को उजागर किया है। कंसल्टेंसी फर्म का कहना है कि अगर वैश्विक संकट लंबा खिंचता है, तब ईंधन की बढ़ती कीमतें सिर्फ पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और रोजमर्रा के खर्चों को भी महंगा करेगी। विशेष रूप से, महंगे उर्वरक सीधे तौर पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा देने वाले हैं, जिससे आम आदमी का बजट और बिगड़ सकता है।

भारत के सीमित भंडार की तुलना में चीन और जापान जैसे देशों के पास कहीं अधिक बड़े रणनीतिक भंडार मौजूद हैं। इस गंभीर स्थिति को देखकर मोदी सरकार को पांच प्रमुख क्षेत्रों कच्चा तेल, खाद, रेयर अर्थ मटेरियल, जरूरी दवाइयां और मेडिकल इंस्ट्रूमेंट्स में बड़े रिजर्व बनाने की सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन भंडारों से वैश्विक सप्लाई चेन बाधित होने पर भी देश में जरूरी सामान की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

अप्रैल 2026 में वैश्विक कच्चे तेल की औसत कीमत 103.9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो जुलाई 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। कंसल्टेंसी फर्म ने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतों में लंबे समय तक वृद्धि भारत के चालू खाता घाटे और महंगाई दोनों को बढ़ा सकती है, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इस चुनौती से निपटने के लिए, रिपोर्ट में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) और इंडो-पैसिफिक रूट्स को मजबूत करने की वकालत की गई है। साथ ही, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ग्रीन एनर्जी और घरेलू ऊर्जा उत्पादन को तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया गया है, ताकि आयातित तेल पर निर्भरता कम हो सके। कंसल्टेंसी फर्म का स्पष्ट मानना है कि मौजूदा वैश्विक हालात इस बात को पुख्ता करते हैं कि अब केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। खासकर भारत जैसे विशाल आयात-निर्भर देश के लिए भविष्य के अप्रत्याशित झटकों से निपटने के लिए पहले से तैयारी करना अत्यंत आवश्यक है।

## केरल विधानसभा में वंदे मातरम के अधूरे गान पर राज्यपाल अर्लेकर ने जाहिर की नाराजगी

तिरुवंतनमपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने केरलम सरकार के नीतिगत भाषण के दौरान वंदे मातरम के पूर्ण गायन न होने पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने इस उचित प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताकर कहा कि राज्यपाल की उपस्थिति में राष्ट्रीय गीत का पूरा गायन अनिवार्य है। विधानसभा सत्र से लौटने के बाद राज्यपाल अर्लेकर ने स्पष्ट किया कि सदन में गीत केवल बजाया गया, गाया नहीं गया, और वह भी अधूरा। उन्होंने बताया कि उन्होंने इसबारे में विधानसभा अध्यक्ष थिरुवनचूर राधाकृष्णन से पहले ही बात कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि इस मुद्दे का उचित समाधान निकलेगा। इस घटना पर भाजपा ने भी कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कझाक्कुट्टम विधायक वी. मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि यह न केवल राज्यपाल का बल्कि वंदे मातरम और लोकसभा का भी अपमान है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कि राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पूर्ण गायन होना चाहिए, केरल विधानसभा में इसका पालन नहीं किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने इसके लिए वी. डी. सतीशान के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार को जिम्मेदार मानकर कहा कि यह जमात-ए-इस्लामी और सीपीआई (एम) के दबाव में किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे यह संदेश जाता है कि सरकार वंदे मातरम को धर्मनिरपेक्षता के अनुरूप नहीं मानती। इस घटना ने राज्य की राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है, जहां राष्ट्रीय गीतों के प्रोटोकॉल और राजनीतिक मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

## राष्ट्रपति बनने के बाद पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे मिन आंग ह्लाइंग



**-चीन को छोड़ भारत को दे रहे प्राथमिकता**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मिन आंग ह्लाइंग म्यांमार के राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत आने वाले हैं। रविवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले मिन आंग ह्लाइंग की यह यात्रा रणनीतिक और सुरक्षा दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। खास बात यह है कि चीन के साथ करीबी संबंधों के बावजूद उन्होंने अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना है, जिसे बदलते क्षेत्रीय भू-राजनीतिक समीकरणों में अहम संकेत माना जा रहा है।

यहां बताते चलें, कि मिन आंग ह्लाइंग ने 10 अप्रैल 2026 को म्यांमार के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला था। इससे पहले वह सैन्य जुंटा के प्रमुख के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे थे। भारत और म्यांमार के बीच 1,600 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा है, जो पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा और उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियों के कारण हमेशा संवेदनशील रही है। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हिस्सा लिया था और उसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया गया था। बताया जा रहा है कि इस यात्रा में दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, विकास और कनेक्टिविटी जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्र सरकार के 'मिशन 2029' में म्यांमार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इस मिशन का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत से उग्रवाद का पूरी तरह खात्मा करना है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार कई उग्रवादी संगठन वर्षों से म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पनाह लेते रहे हैं। इनमें एनएससीएन, उल्फा और कई मणिपुरी उग्रवादी समूह शामिल हैं। भारत और म्यांमार के बीच बेहतर तालमेल से सीमा पार हथियारों की तस्करी, नार्को-टेररिज्म और उग्रवाद पर प्रभावी नियंत्रण संभव माना जा रहा है। इससे पहले भारतीय सुरक्षा बल म्यांमार में उग्रवादी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई भी कर चुके हैं। हाल ही में तत्कालीन नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी की म्यांमार यात्रा भी द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी गई थी।

# विधानसभा चुनावों में हार के बाद सक्रिय हुआ इंडिया गठबंधन, जून में हो सकती है बड़ी बैठक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों को मिली हार के बाद इंडिया गठबंधन एक बार फिर सक्रिय होता दिखाई दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं की अहम बैठक जून के पहले सप्ताह में हो सकती है। माना जा रहा है कि यह बैठक छह जून को आयोजित की जा सकती है।

पश्चिम बंगाल और असम में मिली हार के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया है। ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाने की मांग करते हुए कहा कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट होना होगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि



हालिया चुनाव परिणामों ने साफ संकेत दिया है कि भारतीय जनता पार्टी लगातार मजबूत हो रही है, जबकि कई क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़ी है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एम. के. स्टालिन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और बिहार में तेजस्वी यादव को चुनावी झटके लगे हैं। वहीं कांग्रेस ने केरल में वापसी कर अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत दिया है। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित बैठक में संसद की रणनीति, राज्यों में सीटों का तालमेल और राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा अभियान को लेकर चर्चा हो सकती है। विपक्षी दलों के बीच समन्वय की कमी बिहार चुनाव में भी दिखाई दी थी, जहां कई सीटों पर सहयोगी दल आमने-सामने चुनाव लड़ते नजर आए थे। इंडिया गठबंधन का गठन वर्ष 2023 में हुआ था और इसकी पहली बैठक पटना में आयोजित की गई थी। अब आगामी बैठक को विपक्षी राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## पंजाब निकाय चुनाव: दूसरे और तीसरे नहीं चौथे नंबर पर भगवा दल

**-नए अध्यक्ष को कमान मिलते ही लगा करारा झटका**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में बड़े बदलाव की उम्मीदों पर निकाय चुनाव के नतीजों ने पानी फेर दिया है। केवल सिंह ढिल्लों को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के महज 24 घंटे के अंदर नगर निकाय चुनाव परिणामों ने भगवा दल को तगड़ा झटका दिया है। भाजपा ने ढिल्लों के रूप में एक नया चेहरा पेश कर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और विधानसभा चुनाव से पहले सकारात्मक माहौल बनाने की उम्मीद की थी, लेकिन इन नतीजों ने उन उम्मीदों पर ठंडा पानी डाल दिया। पार्टी पूरे राज्य में सिर्फ 52 सीटों पर सिमट गई, जो उसके लिए गंभीर चिंता का विषय है।

इन परिणामों की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि भाजपा न सिर्फ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल से पीछे रही, बल्कि अन्य उम्मीदवारों और निर्दलियों से भी पिछड़ गई। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पंजाब में भाजपा अभी भी अपनी जमीन तलाश रही है और भगवा दल को राजनीतिक रूप से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए लंबा सफर तय करना है। किसान आंदोलन के बाद बनी दूरी, स्थानीय नेतृत्व का अभाव और क्षेत्रीय राजनीतिक मुद्दों की गहरी समझ की कमी पार्टी को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। अब नए अध्यक्ष ढिल्लों के सामने सिर्फ संगठन चलाने की नहीं, बल्कि पार्टी को कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने और जनता का विश्वास फिर से जीतने की बड़ी चुनौती खड़ी है। नगर निकाय चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए केवल हार नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी की घंटी हैं। पंजाब जैसे राज्य में जहां लोकल और क्षेत्रीय मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श पर हावी रहते हैं, वहां भाजपा अभी तक एक मजबूत जनाधार स्थापित नहीं कर सकी है। इन चुनावों में आम आदमी पार्टी ने फिर अपनी संगठनात्मक शक्ति और लोकल स्तर पर मजबूत पकड़ का प्रदर्शन किया। भगवंत मान सरकार की मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी लोक-लुभावन योजनाओं ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पार्टी को जनसमर्थन दिलाया। वहीं, कांग्रेस अपनी पारंपरिक ताकत बचाने में सफल रही और अकाली दल भी भाजपा से बेहतर प्रदर्शन कर उससे आगे निकलने में कामयाब रहा। इसके बाद भाजपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ चेहरा बदलने से पंजाब में उसके हालात बदल जाएंगे? ढिल्लों को अब केवल कार्यकर्ताओं में भरोसा बहाल करने की नहीं, बल्कि बूथ स्तर से लेकर किसान और सिख समुदाय तक पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी होगी। पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव कर केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर लोकल मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी, व्यापार और नशे की समस्या पर ठोस कार्य करना होगा।

## इबोला से निपटने बेंगलुरु और मंगलुरु में विशेष केंद्र तैयार



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कर्नाटक सरकार ने इबोला वायरस के संक्रमण की आशंका को देखते हुए निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को और मजबूत करना शुरू कर दिया है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में तेजी से फैल रहे संक्रमण के मद्देनजर भारत में भी एहतियाती कदम तेज कर दिए गए हैं। बेंगलुरु और मंगलुरु में विशेष केंद्र तैयार किए गए हैं ताकि किसी भी संदिग्ध स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बेंगलुरु स्थित राजीव गांधी चेस्ट डिजीज इंस्टीट्यूट को आइसोलेशन सेंटर के रूप में विकसित किया गया है। यहां इबोला के कुछ संदिग्ध मामलों के सामने आने के बाद निगरानी बढ़ा दी गई है। संदिग्ध मरीजों के नमूनों की जांच पहले एनआईवी बेंगलुरु में की जाएगी और उसके बाद पुष्टि के लिए एनआईवी पुणे भेजा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई भी पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्राओं और व्यापारिक गतिविधियों को देखते हुए सरकार पूरी सतर्कता बरत रही है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इबोला एक बेहद गंभीर और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसे इबोला वायरस डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। यह संक्रमण संक्रमित व्यक्ति या जानवर के खून, अंगों और शरीर से निकलने वाले तरल पदार्थों के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। संक्रमित कपड़े, बिस्तर, सुई और अन्य वस्तुएं भी संक्रमण फैलाने का माध्यम बन सकती हैं। स्वास्थ्यकर्मियों और संक्रमित मरीजों के करीबी लोगों को सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इबोला के लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के दो से इक्कीस दिनों के भीतर दिखाई देने लगते हैं। शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश शामिल हैं। इसके बाद मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, आंखों का लाल होना और शरीर पर लाल चकत्ते जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

गंभीर स्थिति में आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव भी हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दी है। संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाए रखने, हाथों को नियमित रूप से साफ करने, मास्क और ग्लव्स का उपयोग करने तथा संक्रमित क्षेत्रों की यात्रा से बचने की अपील की गई है। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर जांच, इलाज और आइसोलेशन से संक्रमण को फैलने से काफी हद तक रोका जा सकता है। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इबोला वायरस के बढ़ते खतरे को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य आपातस्थिति घोषित किए जाने के बाद भारत में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

## पुणे शराब कांड : आदित्य ठाकरे का सरकार पर हमला, सिर्फ दिखावे की गिरफ्तारी

**पुणे (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के पुणे जिले में जहरीली शराब के सेवन से 18 लोगों की मौत के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। श्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करती है है। उन्होंने पुणे के हालिया पोर्श कार हादसे के आरोपी की जेल से रिहाई के बाद जश्न मनाने के वीडियो का भी जिक्र कर कहा, अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तब हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं।

पिछले 48 घंटों में हुई इन मौतों ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी में 13 लोगों ने जान गंवाई, जबकि पुणे के हडपसर और कालेपदल में पांच लोगों की मौत शराब के सेवन से हुई। पीड़ितों में गंभीर चक्कर आना और पेट दर्द जैसे समान लक्षण दिखाई दिए, जो मेथनॉल विषाक्तता के शुरुआती लक्षण हैं। शुरुआत में पुलिस ने इन मौतों को अलग-अलग बीमारियों से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इस मामले में योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया, जिसने पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और वानखेड़े को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि उसने पुणे शहर और पिंपरी चिंचवड क्षेत्रों में रासायनिक पदार्थ युक्त शराब की आपूर्ति की थी। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक अतुल कनाडे ने पुष्टि की कि आरोपी ने शराब में जहरीला रसायन मेथनॉल मिलाया था। अवैध शराब के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे पूछताछ जारी है।

पिंपरी-चिंचवड शहर के पुलिस आयुक्त विनय चौबे ने बताया कि वानखेड़े के अलावा पांच आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं, जबकि दो अन्य उत्पाद शुल्क विभाग की हिरासत में हैं। जांच को बाद में क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। लोगों का आरोप है कि दापोड़ी, फुगेवाड़ी और हडपसर जैसे इलाकों में अवैध देसी शराब की बिक्री बेरोकटोक जारी थी और पुलिस व उत्पाद शुल्क अधिकारी इस पर आंखें मूंदे हुए थे। पीड़ितों के परिजनों ने बताया कि शराब पीने के कुछ ही मिनटों बाद उन्हें उल्टी और पेट में तेज दर्द होने लगा था।

# भारत-फ्रांस राफेल डील: यूक्रेन की चिंता और सोर्स कोड पर विवाद

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत सैन्य इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी में है, इसके तहत वह फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा। यह सौदा करीब 35 से 40 अरब डॉलर का हो सकता है। भारत ने लेटर ऑफ़ रिक्वेस्ट (एलओआर) को मंजूरी दे दी है, इस जल्द ही पेरिस भेजा जाएगा। इस समझौते की एक खास शर्त यह है कि 114 विमानों में से 90 का निर्माण स्थानीय शर्तों के तहत भारत में ही होगा, जिसके लिए 50 प्रतिशत पुर्जों का उत्पादन देश में ही होना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जून के अंत में प्रस्तावित फ्रांस यात्रा से पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख अगले महीने फ्रांस का दौरा कर रहे है। इस साल के अंत तक इस अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत राफेल के वेपन कंट्रोल सिस्टम इंटरफेस तक पहुँच बनाकर अपने स्वयं के हथियार, जैसे अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल और ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल को एकीकृत करने पर भी बातचीत कर रहा है।

हालांकि, भारत और फ्रांस के बीच होने वाले बड़े सौदे से यूक्रेन की चिंताएँ बढ़ी हैं। दरअसल, यूक्रेन की वायु सेना ने स्वयं 100 राफेल जेट खरीदने की योजना की घोषणा की थी, लेकिन अब ये योजनाएँ अनिश्चित नज़र आ रही हैं, मुख्यतः फंडिंग के मुद्दे के कारण। भारतीय महाडील के तहत भारत में ही राफेल की उत्पादन लाइन का निर्माण होगा, जिससे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन पर मौजूदा ऑर्डर का बोझ और बढ़ जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, डसॉल्ट एविएशन के पास पहले से ही करीब 220 राफेल विमानों का ऑर्डर लंबित है, और कंपनी सालाना करीब 26-30 विमान ही बना पाती है। यदि भारत का यह विशाल ऑर्डर भी जुड़ता है, तब डसॉल्ट का बैकलॉग 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगा। इससे फ्रांस के अपने रक्षा बेड़े और यूक्रेन या अन्य यूरोपीय सहयोगियों को हथियारों की डिलीवरी में भारी देरी हो सकती है।

इन चिंताओं के बीच, यूक्रेनी अख़बार ने एक प्रोपेगेंडा फैलाकर आरोप लगाया है कि भारत फ्रांस पर राफेल के सॉफ्टवेयर इंटरफेस यानी सोर्स कोड तक पहुँच देने का दबाव बना रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय इंजीनियरों को ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों को विमान में सीधे जोड़ने में सक्षम बनाना है। अख़बार ने दावा किया है कि फ्रांस और पश्चिमी देशों को डर है कि चूंकि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, यदि भारत को राफेल के गुप्त सॉफ्टवेयर कोड मिल जाते हैं, तब ब्रह्मोस एकीकरण के बहाने रूसी इंजीनियर फ्रांस के सबसे उन्नत राफेल एफ4/एफ5 विमानों के कॉम्बैट एल्गोरिदम और रडार तकनीक को डीकोड या लीक कर सकते हैं, जिसका सीधा फायदा यूक्रेन युद्ध में रूस को मिलेगा।



महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार)
30 मई 2026



## वैश्विक उथल-पुथल से किचन का बजट बिगड़ा, खाद्य तेल 13 फीसदी महंगा

**एफएमसीजी कंपनियों पर भी बढ़ा बोझ, पैकेज्ड फूड भी होगा महंगा**

**नई दिल्ली ।**

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल का सीधा असर अब भारतीय घरों की रसोई पर दिख रहा है। फरवरी से अब तक खाद्य तेलों की थोक कीमतों में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती महंगाई के बाद खाद्य तेलों की यह नई मार उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी चिंता बन गई है। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में तनाव से परिवहन, बीमा और शिपिंग लागत में भारी वृद्धि हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से पाम तेल का आयात भी महंगा हुआ है। इसके अलावा, इंडोनेशिया के बायोफ्यूल में 50 फीसदी पाम तेल मिश्रण कार्यक्रम से वैश्विक आपूर्ति और घट सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। भारत अपनी लगभग 60 फीसदी खाद्य तेल जरूरतें आयात करता है, इसलिए वैश्विक संकटों का असर यहां तेजी से महसूस होता है। बढ़ती ईंधन कीमतें किसानों की लागत और माल ढुलाई खर्च भी बढ़ा रही हैं। इसका असर अब एफएमसीजी सेक्टर पर भी दिख रहा है। नमकीन, बिस्कुट और बेकरी आइटम बनाने वाली कंपनियों की इनपुट लागत बढ़ गई है। उद्योग विशेषज्ञ मानते हैं कि कंपनियां जल्द ही यह बोझ उपभोक्ताओं पर डालेंगी, जिससे पैकेज्ड फूड भी महंगा हो जाएगा।

## वैश्विक बाधाओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- आरबीआई

**मजबूत वृहद आर्थिक आधार, पूंजीगत व्यय और बेहतर बैंकिंग बही-खाते वृद्धि को देंगे सहारा**

**नई दिल्ली।**




भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत बनी रहेगी। केंद्रीय बैंक ने सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए बताया कि देश के मजबूत वृहद आर्थिक आधार, कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के बेहतर बही-खाते और सरकार के पूंजीगत व्यय पर जोर से आगामी वित्त वर्ष में वृद्धि को बल मिलेगा। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अन्य वैश्विक चुनौतियां प्रमुख जोखिम बनी रहेंगी। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद भारत की वृद्धि गति मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में उभरे भू-राजनीतिक जोखिम, विशेषकर पश्चिम एशिया में संघर्ष का लंबा खिंचना, वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों के लिए एक नकारात्मक जोखिम उत्पन्न कर सकता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। इसके बावजूद रिपोर्ट में कहा गया कि मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही। विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भी वृद्धि को गति देगा। कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगा। अल नीनो की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा करती है, हालांकि हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति इसके प्रतिकूल प्रभावों को आंशिक रूप से कम कर सकती है। मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं, लेकिन सरकार के विविध स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों से इन चिंताओं को कम करने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने कहा कि 2026-27 में मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य (4 प्रतिशत, दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) के अनुरूप रहने की संभावना है, भले ही अल नीनो की स्थिति और सामान्य से अधिक गर्मी हो। यह पर्याप्त खाद्यान्न भंडार और जलाशयों में जल स्तर के कारण संभव होगा। भविष्य की पहल के तौर पर आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के परीक्षणात्मक उपयोग का विस्तार करने और वित्तीय परिसंपत्तियों के टोकनाइजेशन पर विचार कर रहा है।

# शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

**सेंसेक्स 1,092 , निफ्टी 359 अंक गिरा**

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के कारण बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह भारतीय बजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर संशय पनपने से बाजार नीचे आने लगा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर पहुंच गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 359.40 अंक टूटकर 23,547.75 पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,220.02 तक पहुंचा। वहीं निफ्टी 24,002.80 तक उछला। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.33 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.85 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2.47 फीसदी की गिरावट, निफ्टी मेटल में 2.02 फीसदी की गिरावट और निफ्टी वित्तीय सेवाओं में 2.02 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। वहीं निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.60 फीसदी की बढ़त रही। आज एचसीएल टेक, विप्रो, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही।

वहीं इंडिगो, ओएनजीसी, मैक्सहेल्थ, आयशर मोटर के के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के लगभग 471 लाख करोड़ रुपए से गिरकर करीब 465 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

## रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुंबई ।**



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में 67 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.91 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया पांच पैसे मजूबत होकर 95.53 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त बनाते हुए 95.53 तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की मजबूती दर्शाता है। डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 95.78 तक भी गया। रुपया बुधवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.58 पर बंद हुआ था। ईद-उल-अजहा के अवसर पर गुरुवार को घरेलू शेयर और विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 99.09 पर रहा।

## नेट न्यूट्रैलिटी विवाद में कूदी वीआई, एयरटेल की 5जी प्राथमिकता पर जताई चिंता

**कंपनी ने कहा, सबको समान इंटरनेट अनुभव मिलना चाहिए**

**नई दिल्ली ।**

भारत की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने हाल ही में भारती एयरटेल की कुछ 5जी-आधारित पोस्टपेड योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कंपनी का मानना है कि ये योजनाएं, जो कुछ ग्राहकों को प्राथमिकता वाली नेटवर्क सेवाएं प्रदान करती हैं, नेट न्यूट्रैलिटी के सिद्धांतों का उल्लंघन कर सकती हैं और सभी उपयोगकर्ताओं के लिए समान इंटरनेट अनुभव के अधिकार को प्रभावित कर सकती हैं।

यह मुद्दा तब सामने आया है जब संसद की एक स्थायी समिति भी ऐसी सेवाओं की वैधता की जांच कर रही है। सभी के लिए समान और सुलभ इंटरनेट कनेक्टिविटी को खतरे में देखते हुए, दूरसंचार परिचालक वोडाफोन आइडिया ने भारती एयरटेल की 5जी स्लाइसिंग पर आधारित प्राथमिकता वाली पोस्टपेड योजनाओं पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। वीआई ने उपभोक्ता हितों को प्रमुखता देते हुए तर्क दिया है कि किसी उपयोगकर्ता के प्रोफाइल के आधार पर विशेष नेटवर्क गति या सेवाएं प्रदान करना नेट न्यूट्रैलिटी नियमों का उल्लंघन है और डिजिटल तंत्र की समानता पर सवाल उठाता है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत की डिजिटल वृद्धि सभी के लिए किफायती और सुलभ कनेक्टिविटी पर टिकी है। उन्होंने जोर दिया कि हर उपभोक्ता को एक समान और निर्बाध नेटवर्क अनुभव मिलना चाहिए।

भारत को डिजिटल वृद्धि जारी रखने के लिए तकनीक में प्रगति के साथ-साथ, नवाचार और पैसा बनाने के मॉडल में सभी ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता देना जरूरी है। पारदर्शिता और सब तक इसकी उपलब्धता अहम हैं।

# जापान नहीं जाएगा भारतीय आम, आम निर्यातक और किसान की बढ़ी चिंता

**अधिकारियों को सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया में मिलीं तकनीकी खामियां**

**नई दिल्ली।**



भारतीय आमों की मिठास इस बार जापान तक नहीं पहुंच पाएगी। करीब दो दशक पहले हटाए गए प्रतिबंध के बाद लगातार जारी भारतीय आमों के निर्यात पर जापान ने एक बार फिर अस्थायी रोक लगा दी है। इस फैसले से आम निर्यातकों और किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह प्रतिबंध ऐसे समय लगाया गया है जब अप्रैल से जून के बीच आमों का निर्यात अपने चरम पर होता है। इस रोक का सबसे ज्यादा असर अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी आम किस्मों पर पड़ेगा, जिनकी जापान में अच्छी मांग है।

जानकारी के मुताबिक जापान हर साल आम के निर्यात सीजन से पहले अपनी क्वारंटीन टीम भारत भेजता है। यह टीम उन वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्रों का निरीक्षण करती है, जहां जापान भेजे जाने वाले आमों को प्रोसेस किया जाता है। इस प्रक्रिया में आमों को गर्म और नमी वाली हवा में रखा जाता है ताकि फल मक्खियों और अन्य कीटों को खत्म किया जा सके। जापान के लिए आम निर्यात करने में यह प्रक्रिया अनिवार्य है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल मार्च में उत्तर प्रदेश के रहमानपुर स्थित वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्र का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान जापानी अधिकारियों को वहां सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया से जुड़ी कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। हालांकि दोनों देशों की सरकारों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वास्तव में कौन-कौन सी कमियां मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मौजूदा निर्यात सीजन के दौरान यह समस्या सुलझ पाएगी या नहीं। जापान के प्लांट प्रोटेक्शन स्टेशन और भारत की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अभी तक किसी समयसीमा की घोषणा नहीं की है। इस कारण निर्यातकों के सामने अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है।

बता दें जापान ने पहली बार 1986 में भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि उसे फल मक्खियों के संक्रमण का खतरा था। करीब 20 साल बाद 23 जून 2006 को यह प्रतिबंध हटाया गया था और उसके बाद भारत से जापान को आमों का निर्यात दोबारा शुरू हुआ। जापान ने केवल छह भारतीय किस्मों अल्फांसो, केसर, बंगनपल्ली, लंगड़ा, चौसा और मलिका को आयात की अनुमति दी थी। इन आमों को निर्यात से पहले वेपर हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य किया गया था। हालांकि जापान भारतीय आमों का सबसे बड़ा बाजार नहीं है, लेकिन यह प्रीमियम बाजार माना जाता है। जापान में भारतीय आमों को ऊंची कीमत मिलती है, इसलिए यह प्रतिबंध निर्यातकों की कमाई पर सीधा असर डाल सकता है।

# वैश्विक अस्थिरता के बीच अर्थव्यवस्था मजबूत, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर

**आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट**

**नई दिल्ली।**

वैश्विक अस्थिरता के बीच देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।वहीं, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर बना हुआ है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट में दी गई। आरबीआई ने रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बने रहने के बावजूद, स्थिर घरेलू मांग और मजबूत सेवा क्षेत्र के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 में भी मजबूत बनी रही। खाद्य पदार्थों में अपस्फीति और मजबूत अनुकूल आधार प्रभाव के कारण मुख्य महंगाई दर में नरमी आई। वहीं, जमा और ऋण में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्र सरकार राजकोषीय समेकन जारी रखे हुए हैं और पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर दिया है। वहीं, वैश्विक अनिश्चितता में इजाफे के बाद भी बाह्य क्षेत्र लचीला बना हुआ है। आरबीआई के मुताबिक 2025-26 में चालू खाता घाटा अपने निर्धारित स्तर के भीतर ही रहा और विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त स्तर पर बना रहा, जिससे व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता को समर्थन मिला। भारतीय वित्तीय बाजारों ने लचीलापन प्रदर्शित किया, जिसमें मुद्रा बाजार दरें नीतिगत रेपो दर और मौजूदा तरलता स्थितियों के अनुरूप विकसित हुईं। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, 2025-26 में इक्विटी बाजारों में द्विदिशात्मक गति देखी गई। एक तरफ सहायक मौद्रिक और राजकोषीय नीति उपायों ने बाजार भावना को बेहतर बनाया, जबकि भू-राजनीतिक और टैरिफ अनिश्चितताओं, और एआई से संबंधित चिंताओं से उत्पन्न नकारात्मक वैश्विक संकेतों ने दबाव बनाने का काम किया। वहीं, अप्रैल 2025 में अमेरिकी टैरिफ जैसे बाहरी झटकों के बाद भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहा। देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर निवेश, उपभोग में वृद्धि और सेवा क्षेत्र में मजबूती और आपूर्ति पक्ष में औद्योगिक गतिविधि में सुधार से गति मिल रही है।

## भारत-कनाडा ने व्यापार एवं निवेश मंच का अनावरण किया

**व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और संपर्क मजबूत करने पर जोर**

**नई दिल्ली ।**

भारत और कनाडा ने आपसी व्यापारिक सहयोग को नई गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

दोनों देशों ने संयुक्त रूप से एक व्यापार एवं निवेश मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य व्यवसायों को एक साथ लाना और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया कनाडा यात्रा के समापन के बाद शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। इस नए मंच का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और व्यावसायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। बयान में कहा गया है कि भारत और कनाडा ने लोगों के बीच संपर्क, व्यापारिक सुगमता और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की है, जिन्हें व्यापार एवं निवेश के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। मंत्री गोयल ने अपनी तीन दिवसीय (25-27 मई) कनाडा यात्रा के दौरान व्यापार जगत के कई दिग्गजों से मुलाकात की और अपने कनाडाई समकक्ष मनींदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। यह कदम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

# पेट्रोल पंप पर अब ग्राहक चुन सकेंगे अपना इथेनॉल ब्लेंड्स

**सरकारी व निजी तेल कंपनियों को इंफास्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश**

**नई दिल्ली ।** भारत सरकार ने देश के पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को एक बड़ी सुविधा देने का ऐलान किया है। अब वाहन मालिक अपनी गाड़ी के इंजन की क्षमता और अनुकूलता के हिसाब से ई20, ई22, ई25 और ई30 जैसे अलग-अलग इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल विकल्पों में से अपनी पसंद का ईंधन चुन सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) जैसी सरकारी तेल कंपनियों के साथ-साथ निजी रिटेलर्स जैसे जियो-बीपी, नायरा और शेल को भी आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत देश भर के पेट्रोल पंपों पर विभिन्न इथेनॉल ब्लेंड्स के लिए अलग-अलग नोजल और डिस्प्ले की व्यवस्था की जाएगी।कंपनियों को नई डिस्पेंसिंग यूनिट्स, स्टोरेज सिस्टम, ब्लेंडिंग कंट्रोल और ईंधन की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले तंत्र में निवेश करना होगा। ग्राहकों की सुविधा के लिए पंपों पर इथेनॉल मिश्रणों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा और इथेनॉल की मात्रा के आधार पर कीमतें भी अलग-अलग होंगी।

## पीसी ज्वैलर का शानदार कमबैक- 90 प्रतिशत से अधिक कर्ज चुकाया, शेयर बना रॉकेट

**मुंबई ।**



ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर के शेयर सोमवार को 11 प्रतिशत से अधिक की तूफानी तेजी के साथ 10.48 रुपये पर पहुंचे। इस उछाल का मुख्य कारण कंपनी द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक बकाया कर्ज का भुगतान और जल्द ही पूरी तरह से कर्ज मुक्त होने का ऐलान है।

कंपनी अब पूर्णतः कर्ज मुक्त होकर बाजार में अपनी आक्रामक विस्तार की योजना बना रही है, इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया कि बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट के बाद से कंपनी ने अपने बकाया कर्ज का 90 प्रतिशत से अधिक सफलतापूर्वक चुकाया है। उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी बहुत जल्द कर्ज-मुक्त होगी, जिसके बाद वह अपने वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाएगी। मैनेजिंग डायरेक्टर गर्ग ने वित्त वर्ष 2026 को कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष बताया, जहां इसने अपनी गति वापस हासिल की और पूरे साल शानदार प्रदर्शन दर्ज किया। वित्तीय प्रदर्शन के मुताबिक 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा सालाना आधार पर 61.3 प्रतिशत बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान अवधि में 94.8 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व भी 32.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 927.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 699 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 13.4 प्रतिशत बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा, जिसमें इबिट्डा मार्जिन 17.7 प्रतिशत दर्ज किया गया।

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पहले भी लाभ पहुंचाया है। जुलाई 2017 में 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए थे, और दिसंबर 2024 में 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर को 1-1 रुपये के 10 शेयरों में विभाजित (स्टॉक स्प्लिट) किया गया था। पिछले छह सालों में पीसी ज्वैलर के शेयरों में 800 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है, जबकि पिछले पांच दिनों में इसमें 19 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है, जो कंपनी की मजबूत वापसी और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

## अशोक लीलैंड का रिकॉर्ड प्रदर्शन, मुनाफा 1,400 करोड़ के पार

**वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने 2026 की चौथी तिमाही में अब तक का सर्वाधिक मुनाफा कमाया**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 1,405 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज कर शानदार प्रदर्शन किया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तिमाही और पूरे वित्त वर्ष दोनों के लिए रिकॉर्ड राजस्व, एबिटा और वाहन बिक्री के साथ अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन वित्तीय स्थिति पेश की है। अशोक लीलैंड का परिचालन राजस्व समीक्षाधीन तिमाही में 19 फीसदी बढ़कर 14,160.49 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिटा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,066 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि सरकार के जीएसटी 2.0 प्रोत्साहन और वाहनों की प्रतिस्थापन मांग ने इस जोरदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 800-1,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना भी पेश की है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अशोक लीलैंड का शुद्ध लाभ 8 फीसदी बढ़कर 3,566 करोड़ रुपये रहा, जो नई श्रम संहिता के कारण 308 करोड़ रुपये के एकमुश्त बोझ के बावजूद हासिल हुआ। इस दौरान कुल राजस्व रिकॉर्ड 44,007 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, और एबिटा 13 फीसदी बढ़कर 5,732 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 5,899 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी के साथ वर्ष का समापन किया। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 13 फीसदी बढ़कर 2,20,437 इकाइयों के नए सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2019 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ती है। निदेशक मंडल ने 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 2.50 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस बीच हवाई अड्डा संचालक जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) ने भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी घाटे से उबरकर 400.49 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ में आ गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 252.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

दिल्ली, हैदराबाद सहित कई शहरों में हवाई अड्डों का संचालन करने वाली जीएमआर एयरपोर्ट्स ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में 472 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि इसकी कुल आय बढ़कर 15,200.75 करोड़ रुपये हो गई।

# एलआईसी शेयरों में गिरावट नहीं, दोगुनी हुई निवेशकों की हिस्सेदारी

**ऐतिहासिक 1-1 बोनस शेयर के साथ 10 प्रति शेयर डिविडेंड घोषित**

**मुंबई ।**

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को आई लगभग 50 फीसदी की गिरावट ने निवेशकों को भले ही चौंकाया हो, लेकिन यह चिंता का विषय नहीं है। दरअसल, कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार 1-1 बोनस शेयर जारी किए हैं, जिसके चलते यह प्राइस एडजस्टमेंट देखने को मिला। शेयर 823 रुपए के स्तर से टूटकर 416 रुपए पर आ गया, जो रिकॉर्ड डेट पर बोनस शेयरों के लिए किया गया सामान्य समायोजन है। इसका अर्थ है कि निवेशकों के पास मौजूद हर एक शेयर के बदले उन्हें एक अतिरिक्त शेयर मुफ्त में मिला है, जिससे उनकी कुल शेयरहोल्डिंग दोगुनी हो गई है। यह ऐतिहासिक फैसला कंपनी के मजबूत वित्तीय नतीजों के बाद लिया गया, जहां मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 23 फीसदी बढ़कर 23,420 करोड़ रुपए रहा। बोनस के साथ एलआईसी ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि शेयरों की संख्या बढ़ने से बाजार में इसकी लिक्विडिटी बढ़ेगी, जिससे छोटे




निवेशकों के लिए इसमें निवेश करना और भी सुलभ हो जाएगा। एडजस्टमेंट के बाद, शेयर मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है, और कंपनी का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपए है।





# पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

**कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।**



किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।



# रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

**मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग**--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

**रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश**- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

**फसल चक्र अपनायें**- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

**उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें**- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

# दूध के साथ रेशम उत्पादन

## मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अतः पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

## बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगायी

**मुम्बई ।**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने ये कदम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अत्याधुनिक संचार उपकरणों के बढ़ते चलन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे में अब सहयोगी स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की गयी है। इसके तहत अब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम, डगआउट और मैदान के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस, सनग्लासेस और गॉगल्स नहीं पहन सकेंगे। यह कदम लीग की अखंडता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। बीसीसीआई की भ्रष्टाचार-रोधी और सुरक्षा इकाई से बोर्ड को जानकारी दी गयी थी कि कुछ कंपनियां टी20 लीग में शामिल खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को ऐसे विशेष उपकरण बेचने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही कहा गया कि स्मार्ट आईवियर प्रोडक्ट्स लाइव स्ट्रीमिंग करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए ऑडियो-वीडियो कॉल करने में सक्षम हैं।

# एमपीएल के नए सीजन में इतिहास रचने के इरादे से उतरेगी जबलपुर रॉयल लायंस

**राहुल बाथम बोले- शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीतेंगे**

**इंदौर ।**



मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) के बहुप्रतीक्षित नए सीजन का काउंटडाउन शुरू होते ही क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर पहुँच गया है। इस खिताबी महासमर में जबलपुर रॉयल लायंस (जेआरएल) नए आत्मविश्वास, अभेद्य रणनीतियों और विजय के एक दृढ़ संकल्प के साथ मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। संतुलित टीम संयोजन, अनुभवी सहयोगी स्टाफ और निडर खेल शैली के बल पर फ्रेंचाइजी को पूर्ण विश्वास है कि यह अभियान उनके इतिहास का सबसे स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगा।सीजन से पहले टीम की तैयारियों और खिलाड़ियों की मानसिक सुदृढ़ता पर विश्वास जताते हुए हुए वरिष्ठ ऑलराउंडर राहुल बाथम ने कहा, ÷दल के भीतर इस समय सकारात्मकता और ऊर्जा का प्रवाह अपने चरम पर है। हमने एक ऐसी संतुलित टीम का गठन किया है जिसमें विलक्षण प्रतिभा, कड़ा अनुशासन और विजय की तीव्र आकांक्षा साफ परिलक्षित होती है। हमारा ध्येय केवल इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनना नहीं, अपितु मैदान पर अपनी अमिट छाप छोड़ना और उत्कृष्ट क्रिकेट से खेलप्रेमियों का दिल जीतना है।÷ उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ जोड़ा, ÷यह जबलपुर रॉयल लायंस का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा, क्योंकि हम हम शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीत दर्ज करेंगे।÷अनुभव और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम मुख्य कोचइस वर्ष जबलपुर की टीम में अनुभवी दिग्गजों और उभरती हुई युवा प्रतिभाओं का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा। टीम के मुख्य कोच आनंद राजन का मानना है कि यही जुगलबंदी टीम की सफलता का मुख्य आधार बनेगी। राजन ने अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा, ÷हमने टीम के भीतर एक ऐसी सुदृढ़ खेल संस्कृति विकसित की है, जहाँ अनुशासन, सूक्ष्म तैयारी और मैदान पर उसका सटीक क्रियान्वयन सर्वोपरि है। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों ने जो समर्पण और प्रतिबद्धता दिखाई है, वह अनुकरणीय है। हम एक ऐसे दल के रूप में उभर रहे हैं जो पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देगा। हमारा एकमात्र लक्ष्य सकारात्मक क्रिकेट खेलना और अपने प्रशंसकों को गौरव के क्षण उपहार में देना है।÷ इतिहास रचने का सामर्थ्य रखती है ।

## प्रणति नायक को राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल 2026 के लिए साई और टीओपीएस का मिल रहा सहयोग

**नई दिल्ली।**



भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक की 2026 के राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों की तैयारी को युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस) के निरंतर सहयोग से बल मिल रहा है। सरकार द्वारा उन्हें और जिमनास्टिक्स टीम को अंतरराष्ट्रीय अनुभव, विदेशी प्रशिक्षण, राष्ट्रीय कोचिंग शिविर, और अन्य निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। टोक्यो 2020 ओलंपियन प्रणति वर्तमान में सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स राष्ट्रीय कोचिंग शिविर का हिस्सा हैं, जो 22 मई से 20 जून, 2026 तक भुवनेश्वर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में चल रही है। यह शिविर 25 से 28 जून, 2026 तक चीन के जुनी में आयोजित होने वाली 13वीं सीनियर एशियाई चैंपियनशिप की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रणति भारतीय सीनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स टीम का हिस्सा हैं। भुवनेश्वर में आयोजित इस शिविर के लिए कुल 23.52 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें सीनियर और जूनियर जिमनास्ट, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 21 प्रतिभागी शामिल हैं। अगले महीने चीन में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए, सरकार ने भारतीय सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स दल की भागीदारी हेतु 36.59 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इस दल में खिलाड़ी, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 17 सदस्य शामिल हैं। प्रणति को टॉप्स के तहत व्यक्तिगत रूप से भी महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त हुई है। 19 से 25 मई, 2026 तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित एफआईजी आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स विश्व चैलेंज कप में भागीदारी के लिए प्रणति नायक, उनके कोच अशोक कुमार मिश्रा और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. श्वेता अत्तिली के लिए 5.89 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई थी। इस प्रतियोगिता में प्रणति ने रजत पदक जीता था।

## ललित मोदी का खुलासा, 2005 के बीसीसीआई चुनाव में बोर्ड सदस्यों को होटलों में बंद रखा था

**लंदन ।**



आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2005 के बीसीसीआई चुनाव में प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने बोर्ड मेंबरों को होटलों में बंद रखा। वहीं दूसरे पक्ष के समर्थक मेंबरों की उड़ानों का ठिकाना ही बदलवा दिया। दोनों पक्ष इन प्रकार से एक दूसरे के समर्थक सदस्यों को बैठक में पहुंचने से ही रोकने के प्रयास कर रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे ललित मोदी आज भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे हैं। हालांकि देश में आईपीएल की शुरुआत का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज बीसीसीआई का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभाव हैउसमें आईपीएल की भूमिका सबसे अहम है। ललित मोदी के अनुसार शरद पवार बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव में जगमोहन डालमिया से सिर्फ एक वोट से हार गए थे। ललित मोदी के लिए ये झटका था क्योंकि पवार को चुनाव लड़ाने के लिए राजी करने वालों में वह भी थे। उन्होंने ने यह भी बताया कि कैसे उसके बाद अगले चुनाव में शरद पवार ने जीत हासिल की और उसके बाद के वर्षों में आईपीएल की शुरुआत हुई। ललित मोदी नेकहा, हमने शरद पवार को चुनाव लड़ने के लिए राजी किया। हम चुनाव में गए, हम जीत के प्रति आश्वस्त थे और एक वोट से हार गए। वजह थी हमारे अपने ही लोगों के बीच लड़ाई। पुणे क्रिकेट एसोसिएशन में अजीत शिरके और दयानेश्वर अगाशे की लड़ाई। अगाशे डालमिया गुट से जा मिले।

# आईपीएल फाइनल को देखते हुए हवाई टिकट के साथ ही होटल भी हुए महंगे

**अहमदाबाद ।**



आईपीएल के 19 सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त आकर्षण है। फाइनल देखना हालांकि प्रशंसकों की जेब पर भारी पड़ेगा। फाइनल के लिए पहले ही मैच के लगभग सभी टिकट बिक चुके हैं।

वहीं होटल की बुकिंग और हवाई किराए में भी भारी तेजी आयी है। प्रशंसक मैच में पहुंचने के लिए तीन से चार गुना ज्यादा किराया देने को भी तैयार दिख रहे हैं। इसी कारण दिल्ली-अहमदाबाद और बेंगलुरु-अहमदाबाद जैसे मुख्य रूटों पर हवाई किराए दोगुने हो गए हैं। मैच के समय के आस-पास की उड़ानों में प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें कई रूटों पर पहले ही बिक चुकी हैं। बेंगलुरु से कुछ उड़ानो का एक तरफ का किराया ही 22,800 रुपए से भी ज्यादा हो गया है, जबकि आम तौर पर यह 6,000 से 8,000 रुपए के बीच रहता है। इसके अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर के होटलों में भी भारी मांग देखने को मिल रही है। होटल के कमरों का किराया जो आम तौर पर 6,000 से 16,000 रुपए (टैक्स के अलावा) के बीच रहता है, भारी मांग के चलते बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि फाइनल मैच से दो दिन पहले ही गांधीनगर स्थित एक पंच सितारा होटलों में दाम कई गुना बढ़ गये हैं। ट्रैलव ऑपरेटर्स को यह भी उम्मीद है कि हवाई जहाज के टिकट महंगे होने या उपलब्ध न होने की वजह से सड़क के रास्ते आने वाले फैन्स की भारी भीड़ उमड़ेगी। मैच के तुरंत बाद वापसी की यात्रा की मांग आमतौर पर ट्रांसपोर्ट के खर्च को सामान्य रेट से लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ा देती है। इस बीच आईपीएल फाइनल के टिकट, जिनकी शुरुआती कीमत ऊपरी-स्तरीय स्टैंड्स के लिए 2500 रुपए है और जो प्रेसिडेंट्स गैलरी के लिए 25000 रुएप तक जाती है, आधिकारिक वेबसाइट पर लगभग बिक चुके हैं। ऑनलाइन टिकट पाना अभी भी मुश्किल बना हुआ है।

**संक्षिप्त समाचार**

## आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

**दुबई ।**

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इसमें 33 मैचों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी रखे गये हैं। जिनमें से 9 अधिकारी 2024 एडिशन से वापस लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो अपनी छठी उपस्थिति दर्ज करेंगी और उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है। वहीं जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन भी 19-19 मैचों के अनुभव के साथ पांच टी20 विश्व कप के मील के पत्थर तक पहुंचेंगी। मैच रेफरी में शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा 2024 एडिशन से लौट रही हैं, जबकि न्यूजीलैंड की ट्रुडी एंडरसन भी इस समूह में शामिल हैं।

## वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज बताया

**नई दिल्ली।**

आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण छाये वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज खोला है। वैभन ने कहा कि अगर वह तेजी से खेलने के प्रयास में शतक के पास पहुंचकर भी आउट भी होते हैं तो उन्हें कोई निराशा नहीं होती। इस उभरते हुए क्रिकेटर ने कहा, बचपन से, मेरे पापा हमेशा मुझसे कहते आए हैं कि अगर तुम तिहरा शतक भी लगा देते पर टीम नहीं जीतती है तो उसका कोई लाभ नहीं है। वे सिर्फ तुम्हारे निजी रिकॉर्ड के लिए हो सकते हैं पर उनसे टीम को कोई लाभ नहीं होता। क्रिकेट, आखिर में, एक टीम गेम है। इसलिए, अगर मैं शतक की जगह पर 80 रन बनाता हूं और मेरी टीम जीत जाती है, और अगर मेरे सेंचुरी बनाने के बाद भी हम नहीं जीतते, तो वह 80 रन मेरे लिए शतक से अधिक बढ़कर हैं। वैभव के अनुसार मुझे रोमी भिंडर सर का पहला कॉल आया, जो टीम मैनेजर हैं। मैं दुबई में था, और नीलामी भी वहीं हो रहा था। ट्रायल्स के बाद, मैंने उनसे बात की थी और उन्होंने मुझे बताया था कि वे मुझे लेंगे, और फिर हमने कॉल पर दो से तीन मिनट बात की, जबकि उन्होंने मुझे बधाई दी। अपने डेब्यू मैच में, मैंने पहली गेंद पर छक्का मारा, इसलिए यह एक बहुत ही खास पल और एक शानदार याद थी। फिर, मैंने उसी सीजन में शतक बनाया, जो मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। यह मेरा सिर्फ तीसरा मैच था, इसलिए अपने आईपीएल करियर की इतनी अच्छी शुरुआत करके बहुत अच्छा लगा, और मैं अब बस उसी लय को आगे बढ़ा रहा हूं।

# सुप्रीम कोर्ट ने विनेश को एशियन गेम्स के ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी

**डब्ल्यूएफआई की याचिका खारिज**

**नई दिल्ली ।**

सुप्रीम कोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाफ को राहत देते हुए एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया( डब्ल्यूएफआई ) उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गयी थी। इस मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। ऐसे में अब विनेश के गेम्स 2026 के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने कहा कि विनेश ने देश का सिर ऊंचा किया है। साथ ही कहा, अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई पर उनके आदेश में हस्तपेक्ष से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले की सुनवाई की, वह ठीक नहीं है। अदालत ने चेताया कि खेल प्रशासन में अदालतों की जरूरत से ज्यादा दखलअंदाजी से स्पोर्टिंग इकोसिस्टम पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इससे पहले 22 मई को दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि फेडरेशन की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनकी नीति में दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकार नहीं था। हाई कोर्ट के इस फैसले को



डब्ल्यूएफआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश दिया था कि फेडरेशन 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराये।

## पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने वैभव की तुलना शाहिद अफरीद से की

**भारतीय प्रशंसक भड़के**

**लाहौर ।**

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ भी आईपीएल में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हो गये हैं। वैभव ने जिस प्रकार आईपीएल के 19 वें सत्र में बल्लेबाजी की है उसकी तारीफ करते हुए यूसुफ ने कहा कि उनकी बल्लेबाजी देखकर उन्हें पूर्व विस्फोटक ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के शुरुआती दिनों की याद आती हे। उन्होंने वैभव को अफरीदी की तरह बेखौफ, आक्रामक और ऊर्जा से भरपूर बताते हुए क्रिकेट का भविष्य कहा है। । वहीं मोहम्मद यूसुफ की इस तुलना से भारतीय क्रिकेट प्रशंसक भड़क गये।

## सनराइजर्स टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं देने से बाहर हुई : कोच

**नई दिल्ली।**



सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने आईपीएल से बाहर होने पर कहा कि टीम ने अबतक बल्लेबाजी पर ही ध्यान दिया है और अपने आक्रामक अंदाज से प्रशंसा पायी है पर इस दौरान टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं दे पायी। जिसका नुकसान उसे उठाना पड़ा है। कोच के अनुसार टीम का बल्लेबाजी पर जरुरत से ज्यादा देना अच्छी बात है पर जीत के लिए गेंदबाजी पर भी जोर देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी गेंदबाज इकाई पर और ज्यादा ध्यान देना होगा। मूडी के अनुसार टीम के एलीमिनेटर मुकाबले में मिली हार से एक बार फिर ये कमजोरी सामने आई है। आईपीएल में टीम अंक तालिका में तीसरी सबसे अच्छी टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। उसके बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन ने 624 रन, ईशान किशन ने 602 रन, अभिषेक शर्मा ने 563 रन और ट्रैविस हेड ने 410 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में ईशान मलिंगा ही 20 विकेट और साकिब हुसैन ही 15 विकेट विकेट ले पाये। प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें थीं पर वे उसके अनुसार सफल नहीं हुए। मूडी के अनुसार टीम के पासा पैट कमिंस के अलावा कोई स्टार गेंदाबाज नहीं था। मूडी ने कहा, यह एक तारीफ के काबिल तरीका है पर इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे अपने को अवसर देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब गेंदबाज की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप गेंदबाज इकाई के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत गेंदबाज ईकाई बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो स्कोर का बचाव कर सकें। उन्होंने कहा, यह सब कुछ संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इसमें सफल रही है।

# आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में तीन टीमों के साथ उतरेगा भारत

**कुआलालंपुर।**

भारत की अंडर-20 पुरुष टीम को एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसकी घोषणा एफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद की गई। उज्बेकिस्तान 25 अगस्त से 6 सितंबर, 2026 के बीच अपनी राजधानी ताशकंद में एक सेंट्रलाइज्ड एकल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। इस साल की शुरुआत में घोषित एएफसी युवा प्रतियोगिताओं के नए फॉर्मेट के अनुसार, एएफसी अंडर-20 एशियन कप क्वालीफायर्स में एक दो-चरण वाली प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का तंत्र शामिल है। क्वालिफिकेशन चरण में, 32 टीमों को चार-चार टीमों के आठ ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से ग्रुप विजेता और सात सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एएफसी अंडर-20 एशियन कप के 43वें संस्करण के लिए आगे बढ़ेंगी। वहीं, प्रत्येक ग्रुप की सबसे नीचे रहने वाली टीम को अगले संस्करण के डेवलपमेंट चरण में भेज दिया जाएगा। आगामी क्वालीफायर्स के डेवलपमेंट चरण के लिए, 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से तीन ग्रुप विजेता और प्रत्येक ग्रुप की दूसरे स्थान पर रहने वाली तीन टीमों को अगले संस्करण के क्वालिफिकेशन चरण में प्रमोट किया जाएगा। टीमों का वरीयता क्रम पिछले तीन संस्करणों (2018, 2023, 2025) में उनके प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की संख्या के आधार पर तय किया गया था। 20वें स्थान पर मौजूद भारत को क्वालिफिकेशन चरण में पॉट 3 में रखा गया था। भारत का लक्ष्य 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। 2006 में भारत ने ही इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में ईरान के साथ संयुक्त विजेता बनना रहा है। पिछले संस्करण (2025) में, भारतीय टीम गोल अंतर के आधार पर क्वालीफाई करने से मामूली अंतर से चूक गई थी। क्वालिफिकेशन चरण के ग्रुप ए में, 12 बार के चैंपियन कोरिया गणराज्य का मुकाबला मेजबान किर्गिज गणराज्य, फिलीपींस और लेबनान से होगा। वहीं ग्रुप बी में मेजबान उज्बेकिस्तान के सामने सीरिया, भारत और बांग्लादेश की टीमें होंगी।



## हरभजन के सवाल पर सहवाग और चोपड़ा बोले, वैभव को नीलामी में मिल सकते है 30 करोड़ रुपये

**मुम्बई ।**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार एक एक के बाद एक नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे भी उनकी कीमतें बढ़ीं है। अब कहा जा रहा है कि वैभव पर अगली नीलामी में 30 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में केवल 16 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगा दिया था। उनकी 29 गेंदों में 97 रनों की विस्फोटक देखकर सभी हैरान हैं। इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी ने एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का वैभव की इसी आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कमेंट्री के दौरान वीरेंद्र सहवाग से पूछा कि अगर यह युवा खिलाड़ी नीलामी में आता है तो वह कितनी रकम देंगे। सहवाग ने बिना देर किये कहा कि वह 30 करोड़ रुपये देंगे। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने भी इतनी ही रकम देने की बात कही। वहीं अभी राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल नीलामी में केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो उसके प्रदर्शन को देखते हुए काफी कम है। 15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 में अब तक 15 मैचों में कुल 680 रन बनाए हैं। उनका औसत 45.33 का रहा है और सबसे हैरानी की बात है कि उनका 242.86 का अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। इस सीजन में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं, जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि है।



## जल्द ही बड़े पर्दे पर डांस का जलवा दिखाएंगे अहान

अहान पांडे की रोमांटिक ड्रामा हिट फिल्म 'सैयारा' के बाद से ही फैंस उनकी आगामी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अहान जल्द ही पहली बार बड़े पर्दे पर एक अलग तरह के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे।

अहान पांडे ने अपनी पहली ही फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में एक रोमांटिक हीरो के रूप में अपनी खास पहचान बना ली है। आज की युवा पीढ़ी उनकी दीवानी हो चुकी है। इस फिल्म से पहले अहान का एक वेडिंग डांस वीडियो यूट्यूब पर काफी वायरल हुआ था, जिसे 46 मिलियन (4.6 करोड़) से ज्यादा बार देखा गया। इस वीडियो में वह अलाना पांडे की शादी में अनन्या पांडे के साथ 'सात समुंदर पार' और अकेले 'आई एम द बेस्ट' गाने पर नाचते हुए दिखे थे। फैंस को उम्मीद थी कि निर्देशक मोहित सूरी अपनी फिल्म 'सैयारा' में अहान का कोई डांस नंबर रखेंगे, लेकिन फिल्म की कहानी के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन अब फैंस की यह ख्वाहिश जल्द ही पूरी हो सकता है। अहान के फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। इस समय वे निर्देशक अली अब्बास जफर की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री शरवरी भी हैं। इस फिल्म में अहान का पहला ऑन-स्क्रीन डांस नंबर होने जा रहा है। इस गाने की शूटिंग यूके के मैनचेस्टर शहर में होगी। गाने को फिल्माने के लिए 4 दिनों का समय तय किया गया है। अहान इसमें पुराने दिग्गज सितारों की तरह क्लासिक बॉलीवुड अंदाज में नाचते और गाते हुए नजर आएंगे। अहान शूटिंग के बचे हुए दिनों में अपने डांस स्टेप्स को और बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यश राज फिल्म्स इस गाने के लिए देश के एक बड़े कोरियोग्राफर को चुनने की तैयारी में है। मेकर्स का मकसद एक ऐसा गाना बनाना है, जिसके डांस स्टेप्स हर कोई कॉपी करना चाहे और जो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए।



# सोनाक्षी सिन्हा ने रिवर्स नेपोटिज्म पर की बात

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चाओ में हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें सोनाक्षी एक वकील के किरदार में नजर आएंगी। सोनाक्षी ने इससे पहले फिल्म और अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें रिवर्स नेपोटिज्म पर कमेंट भी है।

### संघर्ष कर रही महिलाओं से प्रेरित है किरदार

सोनाक्षी ने फिल्म को लेकर कहा कि फिल्म में कई ऐसे मुद्दों को उठाया गया है, जिनके बारे में हम शायद सोचते भी नहीं। ये वास्तविक लोगों, वास्तविक घटनाओं और हमारे आसपास घटने वाली चीजों से प्रेरित है। कई जगहों पर फिल्म आपको सोचने पर मजबूर कर देती है। कोई भी फिल्म जो आपको सोचने पर मजबूर कर दे, वह अच्छी फिल्म होती है। अपने किरदार नेहा राजवंश को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने पेशे की वजह से नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व की वजह से लोगों से जुड़ाव महसूस कराता है। वह कई खामियों से भरी, बहुआयामी और अपनी गलतियों से जूझने वाली महिला है, जिसके अपने अंदरूनी संघर्ष हैं। ये सभी बातें मुझसे और निश्चित रूप से उन कई और महिलाओं से भी जुड़ी हुई हैं, जो खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जिन्हें आसानी से सफलता नहीं मिलती।

फिल्म में सोनाक्षी का किरदार नेहा वकीलों के




परिवार से आता है। उसके पिता देश के बड़े डिफेंस लॉयर में से एक हैं। लेकिन वो चाहते हैं कि उनकी बेटी फैमिली बिजनेस में शामिल होने से पहले एक वीकल के रूप में काम करके खुद को साबित करे। इस बात पर नेहा अपने पिता से पूछती है, 'यह किस तरह का रिवर्स नेपोटिज्म है?' फिल्म की इस लाइन और कहानी को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि यह कहानी कुछ हद तक मेरी अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है। मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते रहे हैं, 'तुम्हें खुद को साबित करना होगा।' क्योंकि वो खुद भी ऐसे ही थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम कौन हो; जीवन में आगे बढ़ने के लिए तुम्हें खुद को साबित करना होगा। इसी तरह तुम्हें वह मिलता है, जिसके तुम हकदार हो। इसलिए यह बात भी मेरे लिए बहुत मायने रखती है।



# पैन-इंडिया की पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'अस्तित्व' (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में 'खुशी चौटाला' की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है। सई मांजरेकर इसमें 'सती' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है।



# ...क्या पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते तुषार कपूर

दिग्गज सितारों के बेटे जब अभिनय जगत में आते तो दर्शकों के मन में दोनों को पर्दे पर एक साथ देखने की ख्वाहिश भी आ जाती है। इंडस्ट्री में पिता-पुत्र की जोड़ी के कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जब दोनों ने फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, इसे लेकर अभिनेता तुषार कपूर थोड़ा अलग विचार रखते हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। तुषार कपूर का मानना है कि बेहतर होगा कि वे और उनके पिता अपना रिश्ता ऑफ कैमरा ही बनाए रखें। बातचीत के दौरान तुषार कपूर ने इस बारे में बात की। इस दौरान अभिनेता ने अपने पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'अगर मुझे अपने पिता के साथ काम करना पड़ा, तो मैं बहुत ज्यादा सचेत रहूंगा। मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि हम अपने रिश्ते को कैमरे से दूर ही रखें'। तुषार कपूर ने और किरदार एक्सप्लोर करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, 'मेरे आक्रामक, रफ एंड टफ साइड को और ज्यादा एक्सप्लोर किए जाने की जरूरत है। लोगों ने ज्यादातर मेरा फनी और सॉफ्ट साइड ही देखा है'।



## क्या वेदांग की जिंदगी में प्यार की हुई दस्तक?



वेदांग रैना काफी समय से सिंगल हैं। खुशी कपूर से उनका ब्रेकअप हो चुका है। दोनों ने कभी ना अपने रिश्ते को स्वीकार किया था, ना ही कभी ब्रेक की घोषणा की। लेकिन उनके करीबी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि दोनों का ब्रेक हो चुका है। अब वेदांग रैना को न्योमिका सरन के साथ देखा गया है। वायरल वीडियो में दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री नजर आ रही थी। न्योमिका की बात करें तो वह अक्षय कुमार की रिश्तेदार हैं। न्योमिका अक्षय कुमार की साली रिंकी खन्ना की बेटी हैं। पिछले दिनों वह सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहीं, उनके लुक और स्टाइल को काफी पसंद किया गया।

### फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में वेदांग आएंगे नजर

इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है, गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म के हालिया रिलीज ट्रेलर की भी खूब चर्चा है, इसमें वेदांग की एक्टिंग को पसंद किया जा रहा है।



# सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी

**आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है।**

एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' से।

सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गईं थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, 'मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।'

वामिका से जब पूछा जाता है कि उन्हें किस तरह के हज्बैंड की ख्वाहिश है? तो वे तपाक से हंसते हुए कहती हैं, 'ये आप कैसा सवाल पूछ रही हैं? इसका जवाब तो बहुत मुश्किल है। (सोचते हुए) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फ्रीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। देखिए, कंपैटिबिलिटी जरूरी है, मगर मेरे होने वाले जीवनसाथी में ये बातें बहुत जरूरी हैं। और भी पॉइंट्स हैं, जिन्हें मैं जल्द ही फिगर आउट करूंगी।

कैट फाइट्स ही क्यों, डॉग फाइट्स भी तो होती हैं

इंडस्ट्री में कैट फाइट्स जैसा टर्म बहुत मशहूर रहा है। इस पर उस वक्त और ज्यादा चर्चा होती है, जब एक फिल्म में कई एक्ट्रेसेस हों। वामिका की हालिया फिल्म में उनके साथ सारा अली खान के साथ - साथ रकुल प्रीत भी हैं। मगर वामिका कैट फाइट्स टर्म का बचाव करते हुए कहते हैं, 'कैट फाइट्स ही क्यों डॉग फाइट्स भी तो होती हैं। हर जगह हर तरह की फाइट्स होती हैं, ये तो निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। हमारी फिल्म की शूटिंग के दौरान हम सभी ने बहुत ही मजेदार वक्त बिताया। क्लाइमैक्स की शूटिंग के दौरान तो पूरी कास्ट साथ थी और शूटिंग की लोकेशन होटल से एक घंटे की दूरी पर थी, तो हम सभी एक साथ शूट पर जाया करते थे। पंजाबी म्यूजिक के साथ - साथ हम लोग खाना भी साथ खाते। हमने तो एक साथ जिमिंग और स्विमिंग भी की।'

### मैं कॉमिडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं

अब तक कई गंभीर भूमिकाएं कर चुकी वामिका कॉमिडी के बारे में कहती हैं, 'कॉमिडी करना आसान नहीं था, मगर इसे करते हुए मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगा कि मुझे यही करना था। मैं तो इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैं मुदस्सर सर (निर्देशक मुदस्सर अजीज) के पास कई कॉमिक आइडियाज लेकर जाया करती थी। मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। कॉमिक रोल को करते हुए लगा कि मैं इसमें बहुत कुछ कर सकती हूं। मैंने कॉमिडी को हद से ज्यादा इंजॉय किया। मैं मानती हूं कि एक्टिंग के क्राफ्ट में कॉमिडी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है, मगर एक बार आप जब इस दुनिया में प्रवेश करते हैं और उस हंसी के माहौल और किरदार की नस पकड़ लेते हैं, तो फिर आप उसके साथ आपको बहुत कुछ खेलने को मिलता है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



## संक्षिप्त समाचार

### उ. कोरिया ने छोटी दूरी की मिसाइलों व कई प्रक्षेपास्त्रों को दागा

**प्योंगयांग, एजेंसी।** दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने देश के पश्चिमी तट के पास के समुद्र की ओर कई मिसाइलें दागीं हैं। इनमें एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। उसने कहा, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के उत्तरी प्योंग्यान प्रांत के चोंगजू के पास से दागी गईं, जो करीब 80 किमी दूर तक गईं। 19 अप्रैल के बाद उत्तर कोरिया का यह पहला ज्ञात मिसाइल प्रक्षेपण है, जब देश ने कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें टेस्ट कीं। वे क्लस्टर बमों से लैस थीं।

### बेल्जियम में ट्रेन से टकराई स्कूल वैन दो छात्रों समेत चार की मौत

**बुगेनहाउट , एजेंसी।** बेल्जियम के बुगेनहाउट शहर में मंगलवार को रेलवे क्रॉसिंग पर एक ट्रेन और स्कूल वैन की टक्कर में दो विशेष जरूरत वाले छात्रों समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 12 और 15 वर्ष के दो छात्रों, 49 वर्षीय वैन चालक और 27 वर्षीय महिला परिचारिका की जान गई। वैन सात छात्रों को स्कूल लेकर जा रही थी।

### कनाडा में जबरन वसूली को लेकर 17 भारतवंशी गिरफ्तार

**ओटावा, एजेंसी।** कनाडा पुलिस ने दक्षिण एशियाई व्यापारियों और समुदाय को निशाना बनाकर जबरन वसूली, संगठित अपराध में संलिप्तता के आरोप में 17 भारतवंशी गिरफ्तार किए हैं। ?पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जबरन वसूली टास्क फोर्स ने स्थानीय व्यवसायों से जबरन वसूली के लिए इस्तेमाल किए जा रहे डराने-धमकाने, धमकियों और हिंसा के एक समन्वित अभियान का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के संबंध फॉर ब्रदर्स नामक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से हैं। आरोपियों में इकबाल सिंह, आकाशदीप सिंह, रविंदर सिंह, जशनबीर सिंह, दिलावरप्रीत, मनदीप सिंह, प्रभदीप सोहल, परतापबीर घुमन, अजयदीप सिंह, नवरूप, राजन, अमृतजोत, जशनप्रीत, गुनीत, सुखविंदर, मोहिंदर व गौतम शामिल हैं। आरोपियों का संबंध 24 घटनाओं से है, जिनमें फॉर ब्रदर्स से जुड़ी 16 हिंसक घटनाएं शामिल हैं।

### तिब्बती संस्कृति पर चीन के दृष्टिकोण को दी गई चुनौती

**बीजिंग, एजेंसी।** केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अधीन प्रमुख सांस्कृतिक संस्था तिब्बत प्रदर्शन कला संस्थान (टीआईपीए) ने चीन पर उनकी पहचान को मिटाने और विकृत करने का आरोप लगाया है। उसने चेक गणराज्य में दो दशकों के बाद आयोजित एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन पर चीन को चुनौती दी कि उसका दृष्टिकोण तिब्बती संस्कृति को लेकर गलत है। इस कार्यक्रम में तिब्बत में बीजिंग की नीतियों पर चिंता भी जताई गई। प्राग में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान तिब्बती संगीत, ओपेरा और पारंपरिक नृत्य को यूरोपीय दर्शकों के सामने पेश किया गया।

### बांग्लादेश ने आईएमएफ से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की है। आईएमएफ ने कहा कि वह बांग्लादेश के साथ मिलकर आर्थिक सुधारों और नीतियों पर चर्चा कर रहा है। आईएमएफ अधिकारी इवो क्रजनार ने कहा कि संस्था बांग्लादेश को मजबूत आर्थिक स्थिरता, विकास और वित्तीय सुधारों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि पुराना आईएमएफ कार्यक्रम उस समय तैयार किया गया था, जब देश की आर्थिक स्थिति अलग थी। अब वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू हालात बदलने से कई सुधारों को लागू करना कठिन हो गया है।सरकार ने साफ किया है कि वह सुधारों से पीछे नहीं हट रही, बल्कि मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से उन्हें लागू करना चाहती है। फरवरी में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद यह बड़ा आर्थिक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती महंगाई, विदेशी मुद्रा दबाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईएमएफ का नया कार्यक्रम बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को राहत दे सकता है।

# ट्रंप प्रशासन को झटका: फलस्तीन समर्थक महमूद खलील को राहत, संघीय अदालत ने इमिग्रेशन कोर्ट में भेजा मामला



**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलील को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन की निर्वासन कार्रवाई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए झटका माना जा रहा है। अमेरिका के स्थायी निवासी खलील को साल 2024 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के कारण अप्रवासन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। अमेरिकी सरकार ने दलील दी थी कि खलील की मौजूदगी देश की विदेश नीति के हितों के लिए नुकसानदेह है।

**क्या है पूरा मामला :** कई महीनों तक हिरासत में रहने के बाद न्यूजर्सी की एक संघीय अदालत ने खलील को रिहा कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सरकार की कार्रवाई असंवैधानिक थी। इसके बाद यूएस थर्ड अपीलीय सर्किट कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि न्यूजर्सी के जज को इस मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं था और मामला पहले इमिग्रेशन अदालतों में चलना चाहिए। हालांकि मंगलवार को अपीलीय अदालत ने अपने फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी, ताकि खलील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

**गर्मियों के अंत में दायर की जाएगी याचिका :** खलील की पैरवी कर रहे अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के वरिष्ठ वकील ब्रेट मैक्स कॉफमैन ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग करेंगे कि सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए हिरासत और निर्वासन की धमकी का इस्तेमाल नहीं कर सकती।' सुप्रीम कोर्ट में अपील आने वाले महीनों में, संभवतः गर्मियों के अंत तक, दायर की जा सकती है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने इस फैसले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

# बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, अब तक 555 बच्चों की मौत



**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 10 और बच्चों की मौत दर्ज की गई, जिससे 15 मार्च 2026 से अब तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) की ओर से इनमें से एक मौत की पुष्टि खसरे की वजह से की गई है, जबकि बाकी नौ मामलों को संदिग्ध माना गया है। ढाका डिवीजन में संदिग्ध मौतों की संख्या सबसे अधिक रही है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 1,083 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 66,023 तक पहुंच गई है। इसी अवधि में 53 नए पुष्टि किए गए मामले भी दर्ज हुए, जिसके बाद कुल पुष्टि मामलों की संख्या 8,772 हो गई है। 15 मार्च से अब तक 52,530 संदिग्ध मरीजों (बच्चों) को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 48,800 ठीक होकर घर लौट चुके हैं।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में देशव्यापी आपातकालीन खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 6 महीने से 5 साल तक के लगभग 18 मिलियन बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफ और टीका और प्रतिरक्षा के लिए गठित वैश्विक गठबंधन (जीएवीआई-गावी) के सहयोग से चलाया जा रहा है।

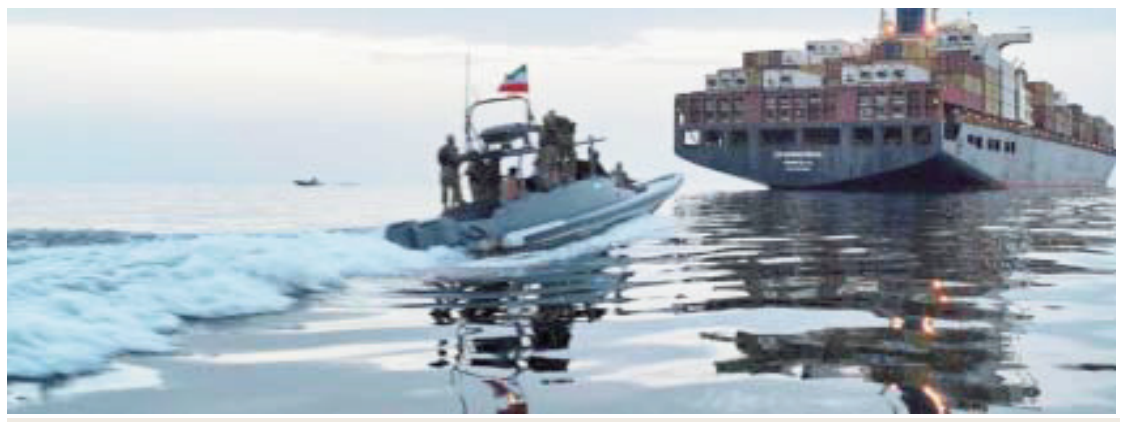
स्वास्थ्य मंत्री सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन ने कहा कि टीकाकरण अभियान के असर से आने वाले कुछ हफ्तों में स्थिति नियंत्रण में आने की उम्मीद है और मरीजों की संख्या में गिरावट आएगी।

हाल ही में यूनिसेफ ने दावा किया कि अंतरिम सरकार के दौर में उन्होंने बार-बार चेताया था कि अगर उचित कदम नहीं उठाए गए तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। प्रेस वार्ता में बांग्लादेश में यूनिसेफ की प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्रालय को पांच से छह पत्र भेजे थे और अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान 10 बैठकों में भी यह मामला उठाया गया था।

# होर्मुज में अमेरिकी हमले से तनाव
## ईरान ने दी इजरायल को मिटाने की बड़ी धमकी

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता के बीच हालात फिर से बहुत ज्यादा विस्फोटक और तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका ने होर्मुज और बंदरअब्बास इलाके में ईरानी नौसेना की नावों और मिसाइल ठिकानों को अपना सीधा निशाना बनाया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने बेहद आक्रामक बयान देते हुए अपनी गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस नए हमले के बाद इजरायल का दुनिया के नक्शे से मिटना अब पूरी तरह से तय है।

ईरान की इस खतरनाक धमकी को वेस्ट एशिया में संभावित बड़े सैन्य टकराव की एक बहुत ही गंभीर चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस भयंकर हमले के कुछ घंटे पहले ही ईरान के साथ शांति की उम्मीद जताई थी। लेकिन अचानक हुए इस बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक नए और भयानक महायुद्ध की गहरी चिंता में डाल दिया है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका को करारा जवाब देकर उसका खतरनाक मकसद पूरी तरह से नाकाम कर दिया है।



### अमेरिकी सेना का स्पष्टीकरण

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाने से अंतरराष्ट्रीय जहाजों को बहुत ज्यादा और सीधा खतरा हो सकता था। इसी गंभीर खतरे को तुरंत रोकने के लिए अमेरिकी नौसेना ने यह कड़ा और बहुत ही अहम सैन्य कदम उठाया है। सेना ने स्पष्ट कहा कि युद्धविराम के दौरान भी अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हमेशा रहेगी।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इसे युद्धविराम का सीधा उल्लंघन बताया है और बहुत कड़ी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने फारस की खाड़ी में घुसपैठ करने वाले एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है। ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय है और वह अमेरिका के रूक्ष-9 रीपर ड्रोन पर बड़ी कार्रवाई कर चुका है।

### अमेरिकी जहाजों पर फायरिंग

ईरान ने यह भी बड़ा दावा किया है कि उसने अमेरिका के निगरानी ड्रोन और स्टील्थ फाइटर जेट पर भी लगातार फायरिंग की है। इस भारी फायरिंग के बाद अमेरिकी विमानों को अपनी जान बचाकर पीछे हटने के लिए पूरी तरह से मजबूर होना पड़ा है। ईरान ने साफ कहा है कि यदि अमेरिका ने फिर हमला किया तो इस बार उनका जवाब पहले से बहुत ज्यादा गंभीर होगा।

ब्रिगेडियर जनरल अबोलफजल शेखरची ने कहा कि हमने अपने सभी जरूरी टारगेट तय कर लिए हैं और हम युद्ध के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान को तेल निर्यात से रोका गया तो पूरे क्षेत्र से तेल सप्लाई हमेशा के लिए रुक जाएगी। ईरान ने यह भी दोहराया कि रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट पर केवल उसी का नियंत्रण हमेशा के लिए पूरी तरह से बना रहेगा।

# वाशिंगटन की पेपर मिल में बड़ा हादसा
## केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत

**सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी।** अमेरिका के वाशिंगटन राज्य के लॉन्गव्यू शहर में एक पल्प और पेपर मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सोशल मीडिया पर जारी एक संयुक्त बयान में निप्पॉन डायनावावे पैकेजिंग कंपनी और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि टैंक फटने की वजह से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए और कुछ की जान चली गई। हालांकि, अब तक मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई गई है। स्थानीय पुलिस, फायर विभाग और कंपनी अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार सुबह निप्पॉन डायनावावे पैकेजिंग फैक्ट्री में व्हाइट लिकर नाम के केमिकल वाला टैंक फट गया। यह केमिकल कागज बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होता है।

वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्गुसन ने सोशल मीडिया पर हादसे में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया और कहा कि राज्य के इकोलॉजी विभाग की टीमों को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा, 'मेरी टीम और मैं लॉन्गव्यू में हुए इस बड़े केमिकल



विस्फोट की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हमारे राज्य के इकोलॉजी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि इस हादसे में लोगों की जान गई है। मेरी संवेदनाएं कर्मचारियों, उनके परिवारों और राहत-बचाव में लगे लोगों के साथ हैं।'

लॉन्गव्यू फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि वह निप्पॉन डायनावावे फैक्ट्री में हुए खतरनाक केमिकल हादसे पर काम कर रहा है। केमिकल ट्रीटमेंट वाले बड़े टैंक के फटने से कई लोग झुलस गए और घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया।

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों से इलाके से दूर रहने को कहा गया है, ताकि राहत और बचाव का काम आसानी से चल सके। यह फैक्ट्री वाशिंगटन और ओरेगन की सीमा के पास कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। वाशिंगटन स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ इकोलॉजी के अनुसार, यहां क्राफ्ट पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। फिलहाल हादसे की वजह की जांच की जा रही है।

आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा?

यह हादसा लॉन्गव्यू इलाके में स्थित निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी की मिल में हुआ। कंपनी और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त बयान में बताया कि एक बड़े केमिकल टैंक में अचानक विस्फोट जैसा दबाव बना और वह अंदर की तरफ धंस गया। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। हालांकि मरने वालों की सही संख्या अभी जारी नहीं की गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि कई लोगों को जहरीली गैस के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई।

# बेल्जियम में स्कूल बस की ट्रेन से भीषण टक्कर, कई लोगों की मौत से मचा हड़कंप



**ब्रसेल्स, एजेंसी।** बेल्जियम में ट्रेन ने एक स्कूल बस को तेज टक्कर मारी है। इस भीषण हादसे में बस में सवार स्टाफ और बच्चों में से कई लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा सेथानीय समय के अनुसार, सुबह 8.15 मिनट पर हुआ है। बता दें कि जब ट्रेन गुजर रही थी तो फाटक बंद था और लाल बत्ती जल रही थी। फिलहाल, ट्रेन के यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और इमरजेंसी सर्विस मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार को उत्तरी बेल्जियम में सात बच्चों को ले जा रही एक स्कूल मिनीबस को ट्रेन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। बता दें कि बुगेनहौट गांव में एक लेवल क्रॉसिंग पर टक्कर के बाद बस में सवार कई लोगों की मौत हो गई है।

एक पुलिस प्रवक्ता ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मिनीबस में सात बच्चे, एक सुपरवाइजर और एक ड्राइवर सवार थे। बेल्जियम पुलिस ने फिलहाल इस घटना में मौतों की संख्या कन्फर्म करने से मना कर दिया है। स्पोक्सपर्सन फ्रेडरिक सैक्रे ने कहा कि टक्कर बहुत ज़ोरदार थी और मौत का आंकड़ा बहुत ज्यादा है।यूरोपीय यूनियन चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी इस हादसे पर अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पीड़ितों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आज, यूरोप बेल्जियम के दुख में साथ खड़ा है। बेल्जियम के गृह मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन ने भी इस हादसे को लेकर एक्स पर लिखा कि मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं और मैं घायलों के साथ खड़ा हूं।

### बीपी ने चेयरमैन को हटाया, कंपनी में फिर बढ़ा विवाद

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन की बड़ी तेल कंपनी बीपी ने अपने चेयरमैन अल्बर्ट मैनिफोल्ड को अचानक पद से हटा दिया है। कंपनी ने कहा कि उनके कामकाज, निगरानी और व्यवहार से जुड़े गंभीर मुद्दे सामने आए हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीपी बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से इयान टायलर को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। अल्बर्ट मैनिफोल्ड को पिछले साल अक्तूबर में चेयरमैन बनाया गया था।

इससे पहले वह निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी सीआरएच के प्रमुख रह चुके हैं। बीपी ने उन्हें कंपनी में बड़े बदलाव लाने के लिए चुना था। हालांकि हाल के महीनों में कंपनी की नीतियों को लेकर शेयरधारकों और पर्यावरण समूहों की नाराजगी बढ़ गई थी। बीपी पहले हरित ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही थी, लेकिन बाद में उसने फिर तेल और गैस कारोबार पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव की काफी आलोचना हुई। कंपनी की कमाई भी प्रभावित हुई है। 2025 में बीपी की आय में 16 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। वहीं कंपनी का शुद्ध मुनाफा 86 प्रतिशत तक घट गया।

# 'अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट खतरनाक': एंटोनियो गुटेरेस

**न्यूयार्क, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और बल प्रयोग की मनाही जैसे मूल सिद्धांतों को या तो चुनौती दी जा रही है या इन्हें अनदेखा किया जा रहा है।

सुरक्षा परिषद में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करने पर एक उच्चस्तरीय खुली बहस आयोजित की गई। इसे संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही नहीं हो रही और दंड से बच निकलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

### संयुक्त राष्ट्र चार्टर मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद : गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर शांति के लिए मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद बना हुआ है, लेकिन इसकी ताकत इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। महासचिव



ने चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक विभाजन गहरा रहे हैं, अविश्वास बढ़ रहा है और आम सहमति बनाना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है।

### सुरक्षा परिषद की भूमिका पर उठाए सवाल

गुटेरेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अक्सर यह परिषद एकता और उद्देश्य के साथ कार्य करने में विफल रहती है। उन्होंने कहा, 'जब सुरक्षा परिषद विभाजित होती है, तो इसके परिणाम इस कक्ष से कहीं आगे महसूस किए जाते हैं।'

यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष तक का किया जिक्र

महासचिव ने संघर्षों की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसमें ड्रोन जैसे हथियारों की आपूर्ति शामिल है, जो अक्सर नागरिकों और उनसे जुड़ी चीजों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, सूडान, यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में हिंसा का पैमाना और जटिलता बढ़ रही है। गुटेरेस ने तेजी से बढ़ती और अस्थिर करने वाले हथियारों की दौड़ के बारे में भी चिंता जताई।

### चुनौतियों से निपटने के लिए तीन-आयामी रणनीति

इन गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एंटोनियो गुटेरेस ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई का आह्वान किया: संघर्ष की रोकथाम और शांति स्थापना, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार। उन्होंने व्यापक बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का लगातार पालन करने, शांति के हितों में कार्य करने, नेतृत्व और समझौते के माध्यम से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में वही बने जो वह बनना चाहता था: समाधान के लिए एक मंच, अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षक, और शांति व सुरक्षा के लिए एक शक्ति।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.